● वर्ष-4
● अंक-77
रायपुर, शुक्रवार
08 नवंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

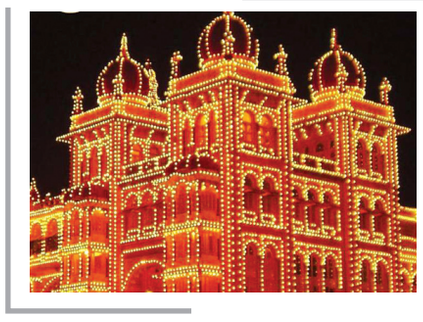

पेज-6» यूं लगा जन्नत में ऊटी...

आतंकियों को कांग्रेस से मदद की आस

यासीन मलिक की पत्नी ने राहुल गांधी को लिखा पत्र

नीरज कुमार दुबे

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस की सरकार बनते ही जैसे आतंकवादियों में उत्साह का संचार हो गया है। घाटी में आतंकी हमले बढ़ने लगे हैं और आतंकियों के रिश्तेदार अब कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस से मदद भी मांगने लगे हैं। इस स्थिति को चिंताजनक बताते हुए भाजपा ने कांग्रेस से कुछ सवाल पूछे हैं। हम आपको बता दें कि जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन मलिक की पत्नी मुशाल हुसैन मलिक ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को एक पत्र लिखकर जेल में बंद अपने पति का मुद्दा संसद में उठाने का आग्रह किया है। मुशाल ने दावा किया कि उसका पति जम्मू कश्मीर में शांति कायम करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

मानवाधिकार और महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की पूर्व सहायक मुशाल ने राहुल गांधी को लिखे पत्र में तीन दशक पुराने राजद्रोह मामले में मलिक के खिलाफ जारी मुकदमे की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया है, जिसमें राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने उसे मौत की सजा देने का अनुरोध किया है। हम आपको बता दें कि कश्मीरी अलगाववादी नेता मलिक आतंकवादी वित्त पोषण से जुड़े इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय में एनआईए की ओर से उसके खिलाफ दायर याचिका पर खुद बहस कर रहा है। एनआईए ने इस मामले में एक अपील दायर करके मलिक को फांसी की सजा देने का अनुरोध अदालत से किया है। एनआईए ने 2017 के इस मामले में मलिक सहित कई व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र पेश किया था। 2022 में एक निचली अदालत ने मलिक को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

मुशाल ने कहा, मलिक जेल में अमानवीय व्यवहार के विरोध में दो नवंबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर है। यह भूख हड़ताल मलिक के स्वास्थ्य पर और प्रतिकूल प्रभाव डालेगी। यह उस शख्स के जीवन को खतरे में डाल देगी, जिसने हथियार छोड़कर अहिंसा की राह पर चलने का विकल्प चुना।卐 मुशाल ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार 2019 से मलिक को सभी अकल्पनीय तरीकों से प्रताड़ित कर रही है। उसने कहा, मलिक पर 35 साल पुराने मामले में भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने का मुकदमा चलाया जा रहा है और अब एनआईए उसके खिलाफ दर्ज मनगढ़ंत मामलों में उसके लिए मौत की सजा की मांग कर रहा है। बुशरा ने कहा, मैं आपसे (राहुल) आग्रह करती हूं कि आप संसद में अपने उच्च नैतिक और राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करें और यासीन मलिक के मामले पर एक चर्चा शुरू करें, जो जम्मू कश्मीर में 'दिखावटी' नहीं, बल्कि वास्तविक शांति कायम करने का जरिया बन सकता है।

वहीं भाजपा की प्रतिक्रिया की बात करें तो आपको बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने आज राहुल गांधी को कठघरे में खड़ा कर दिया।

उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि क्या कारण है कि आतंकवादी और उनके परिवार गांधी परिवार से मदद की गुहार लगा रहे हैं? उन्होंने कहा कि इस सभागार में मौजूद किसी भी भारतीय से आतंकवादी अपने लिये मदद की गुहार नहीं लगा सकते फिर क्या कारण है कि राहुल गांधी से मदद मांगी जा रही है?

नकली या असली संविधान? लाल किताब लेकर चल रहे राहुल गांधी, पन्ने खाली, बीजेपी ने उठाए सवाल, कांग्रेस ने किया पलटवार

एक वीडियो में राहुल गांधी को मंच पर एक छोटी लाल संविधान की किताब ले जाते हुए दिखाया गया है और दूसरे वीडियो में भारत का संविधान शीर्षक वाली डायरी दिखाई गई है, और जाहिर तौर पर इसे दूसरों को वितरित भी किया गया है, जिसके अंदर खाली पन्ने हैं। भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए उसे झूठ पर सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत विशेषज्ञ करार दिया। इस बीच, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी हाथ में लाल किताब लेकर शहरी नक्सलियों और अराजकतावादियों से समर्थन लेने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने दावा किया कि कांग्रेस भारत के संविधान को एक खाली पन्ने पर फिर से लिखना चाहती है। एक्स पर भाजपा की महाराष्ट्र इकाई ने दावा किया कि महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी द्वारा वितरित की गई एक लाल संविधान डायरी खाली है और इसके कवर पर केवल संविधान अंकित है। महाराष्ट्र बीजेपी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट में कहहा कि कांग्रेस भारत के संविधान को कोरी स्लेट के रूप में फिर से लिखना चाहती है। वे डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा लिखे गए सभी कानूनों और लेखों को हटाने की योजना बना रहे हैं। यही कारण है कि राहुल गांधी ने हाल ही में आरक्षण खत्म होने की भविष्यवाणी की थी।

नहीं रहे सांसद श्रीगोपाल व्यास

राजकीय सम्मान के साथ उनके पार्थिव शरीर को एम्स में किया दान

रायपुर। पूर्व राज्यसभा सांसद एवं प्रख्यात समाजसेवी श्रीगोपाल व्यास को आज राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। उनके निधन के बाद रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स रायपुर में उनके पार्थिव शरीर को चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा के लिए उनकी इच्छा के अनुरूप दान किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीगोपाल व्यास को उनके निवास में पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। एम्स परिसर में पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस ने पूर्व सांसद श्रीगोपाल व्यास को श्रद्धांजलि दी। उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने श्रीगोपाल व्यास को अंतिम दर्शन में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि श्रीव्यास ने बहुत सारे अनुकरणीय कार्य किए है। हम सभी प्रयास करेंगे कि उनके बताए रास्ते पर चलें और उनका पूरा जीवन प्रेरणादायी रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने श्रीगोपाल व्यास को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीगोपाल व्यास को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि श्रीव्यास बहुत ही सज्जन थे। उनका जाना बहुत ही दुखद है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व मंत्री एवं विधायक राजेश मूणत, विधायक अनुज शर्मा, विधायक गुरू खुशवंत साहेब, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व विधायक अरुण वोरा, पवन साय, नारायण नामदेव, छत्तीसगढ़ हिंदी ग्रंथ अकादमी के पूर्व अध्यक्ष शंशाक शर्मा, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त अविनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कैबिनेट बैठक में लोकतंत्र सेनानी को उनकी मृत्यु पर राजकीय सम्मान देकर विदाई देने का निर्णय लिया है। निर्णय के परिपालन में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह द्वारा राजकीय सम्मान के साथ लोकतंत्र सेनानी श्रीगोपाल व्यास की अंतिम विदाई की व्यवस्था की गई।

महाराष्ट्र की मोहोल सीट से राकांपा उम्मीदवार के नामांकन को दी गई थी चुनौती, अदालत ने खारिज की याचिका

मुंबई। अजित पवार की पार्टी राकांपा को राहत देते हुए एक उम्मीदवार जिसने पार्टी उम्मीदवार यशवंत माने के नामांकन फॉर्म की स्वीकृति को चुनौती दी थी, उसने बॉम्बे हाई कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली है। माने महाराष्ट्र के सोलापुर जिले की मोहोल विधानसभा सीट से राकांपा के उम्मीदवार हैं। न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर और न्यायमूर्ति सोमशेखर सुंदरेसन की पीठ ने संकेत दिया कि वे याचिकाकर्ता के पक्ष में नहीं हैं, जिसके बाद अदालत ने गुरुवार को इसे वापस लेने की अनुमति दे दी। याचिकाकर्ता नागनाथ क्षीरसागर ने तर्क दिया कि कैकाडी जाति के माने, मोहोल से चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य थे क्योंकि सीट अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है। माने ने इससे पहले 2019 के विधानसभा चुनाव में राकांपा के टिकट पर सीट जीती थी। क्षीरसागर के वकील अनंत वडगांवकर ने दावा किया कि कैकाडी जाति के सदस्य महाराष्ट्र के केवल आठ जिलों में अनुसूचित जाति के रूप में योग्य हैं, लेकिन सोलापुर जिले में नहीं।

काशी की देव दीपावली को भव्यता का स्वरूप दे रही योगी सरकार

वाराणसी। योगी सरकार सनातन धर्म की आभा को पूरे विश्व में प्रसारित रही है। अयोध्या के दीपोत्सव के बाद काशी की देव दीपावली को भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। देव दीपावली पर संस्कृति, विरासत और परंपरा के संरक्षण के साथ ही अब आधुनिकता का समावेश भी दिखेगा। योगी सरकार काशी के ऐतिहासिक घाट की दीवार पर सनातन धर्म के अभिन्न अध्यायों का 3डी प्रोजेक्शन के जरिए चित्रण करेगी। प्रक्रिया के अंतर्गत, चेत सिंह घाट पर 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग लेज़र शो के माध्यम से आधे घंटे का शिव महिमा व मां गंगा के अवतरण पर आधारित शो का आयोजन होगा । योगी सरकार प्रांतीय मेले में शुमार करके देव दीपावली की भव्यता और बढ़ा दी है। प्राचीन संस्कृति की परंपरागत आयोजन और आधुनिकता के तालमेल ने देव दीपावली का आकर्षण पूरे विश्व में और बढ़ा दिया है। पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि चेत सिंह घाट पर 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग लेजर शो आयोजित होगा। ये शो माँ गंगा के अवतरण और भगवान शिव की महिमा पर आधारित होगा। प्रक्रिया के अंतर्गत, आधे घंटे का शो होना निर्धारित है, जो तीन बार प्रसारित होना प्रस्तावित है।

प्रमुख समाचार

विपक्षी सांसद वक्फ जेपीसी बैठकों का बहिष्कार करेंगे

नई दिल्ली। वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विपक्षी सदस्य, 9 नवंबर से शुरू होने वाली बैठकों के अगले दौर का बहिष्कार करेंगे, एक विपक्षी सदस्य, तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने गुरुवार को घोषणा की। बनर्जी ने इसका दोष भाजपा के जेपीसी प्रमुख जगदंबिका पाल पर मढ़ते हुए उन पर अत्याचार और मनमानी कार्रवाई का आरोप लगाया। बनर्जी ने कोलकाता के एक सम्मेलन में कहा कि सभी विपक्षी सदस्यों ने दौरे का बहिष्कार करने का फैसला किया है। अध्यक्ष मनमाने ढंग से और मनमाने ढंग से काम कर रहे हैं। पैनल अगले छह दिनों तक गुवाहाटी, भुवनेश्वर, कोलकाता, पटना और लखनऊ में बैठकें करेगा, बीच में रविवार की छुट्टी होगी। इस बीच, बनर्जी ने आगे कहा विपक्षी सदस्यों ने 5 नवंबर को लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और कार्यक्रम को स्थगित करने की मांग की। हमने जेपीसी की बैठकों के दिनों की संख्या को सप्ताह में दो दिन से घटाकर प्रति सप्ताह केवल एक दिन या हर पखवाड़े में लगातार दो दिन करने की भी मांग की।

सेमीकंडक्टर नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना गुजरात

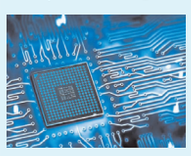

गांधीनगर (गुजरात)। गुजरात सेमीकंडक्टर नीति लागू करने वाला भारत का पहला राज्य बना गया है। गुजरात सरकार ने देश की पहली गुजरात सेमीकंडक्टर नीति 2022-2027 की शुरुआत की है। इस ऐतिहासिक नीति के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार ने गुजरात राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स मिशन की स्थापना की है। यह सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता में राज्य के नेतृत्व को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से समर्पित संस्थान है। सेमीकंडक्टर नीति के तहत, गुजरात सरकार ने सेमीकंडक्टर कंपनियों के लिए एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित किया है। राज्य के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अनुसार इस पहल से प्रदेश में सेमीकंडक्टर बानाने वाली चार प्रमुख कंपनियां नई परियोजनाओं में कुल 1.24 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने वाली हैं। इससे 53,000 नए रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। बता दें कि भारत सरकार ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2021 में भारत सेमीकंडक्टर मिशन शुरू किया था। इसके लिए 76,000 करोड़ रुपये का पर्याप्त बजट आवंटित किया गया है। भारत का सेमीकंडक्टर बाजार का मूल्य 2020 में 15 अरब डॉलर था.

कनाडा ने ऑस्ट्रेलिया टुडे पर प्रतिबंध लगा दिया

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के रिश्ते लगातार तल्ख होते जा रहे हैं। अब भारत से खुन्नस की आड़ में ट्रूडो सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस दिखाने पर कनाडा ने ऑस्ट्रेलिया टुडे पर प्रतिबंध लगा दिया। कनाडा द्वारा प्रमुख आउटलेट ऑस्ट्रेलिया टुडे को ब्लॉक/बैन करने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमें पता चला है कि कनाडा में एक महत्वपूर्ण प्रवासी आउटलेट के सोशल मीडिया हैंडल, पेज को ब्लॉक/बैन कर दिया गया है। यह इस विशेष हैंडल द्वारा पेनी वोंग के साथ विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस को प्रसारित करने के ठीक कुछ घंटों बाद हुआ। हमें आश्चर्य हुआ। यह हमें अजीब लगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि ये एक बार फिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति कनाडा के पाखंड को उजागर करता है...विदेश मंत्री ने अपने मीडिया कार्यक्रमों में तीन चीजों के बारे में बात की। पहला, कनाडा द्वारा बिना किसी विशेष सबूत के आरोप लगाना।

राष्ट्रपति ने आईएनएस विक्रांत पर सवार होकर देखा समुद्री अभियान

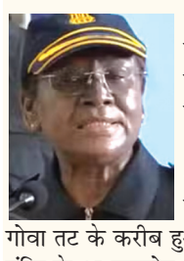

पणजी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत की यात्रा की और भारतीय नौसेना के बहुपक्षीय अभियानों का प्रदर्शन देखा। यह कार्यक्रम अरब सागर में गोवा तट के करीब हुआ, जिसमें नौसेना के अग्रिम पंक्ति के 15 युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल हुए। नौसेना ने इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मू के सामने अपनी छह पारंपरिक पनडुब्बियों का प्रदर्शन दिखाया, जिसमें कलवरी श्रेणी, रूसी किलो श्रेणी और जर्मनशिशुमर श्रेणी की पनडुब्बियां शामिल थीं। इस मौके पर राष्ट्रपति ने कहा कि अपनी व्यापक तैनाती और रणनीतिक क्षमताओं के साथ नौसेना समुद्री क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने नौसेना की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए कहा कि नौसेना ने कई मौकों पर समुद्र में लोगों की जान बचाई है। उन्होंने कहा कि बुल्गारिया के राष्ट्रपति ने भी इस साल समुद्री संकट में फंसे बुल्गारियाई चालक दल को बचाने के लिए आभार व्यक्त किया था। उन्होंने आगे कहा कि नौसेना अग्निपथ योजना के जरिए बड़े बदलाव कर रही है.

सागीपोरा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़

जम्मू। सोपोर के सागीपोरा इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस और 22 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) की एक संयुक्त टीम आतंकियों से मुकाबला कर रही है। नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जवान मुठभेड़ स्थल से नागरिकों को हटा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, आतंकवादियों की मौजूदगी को लेकर मिली खुफिया जानकारी के आधार पर सेना और पुलिस ने पानीपुरा, सोपोर, बारामूला में एक संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी गई, शिकंजा कसते देख आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इससे पहले मंगलवार देर रात एक सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने लोलाब के जंगलों में ऑपरेशन शुरू किया था। घेराबंदी के दौरान दहशतगर्दों ने फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी फायरिंग की थी। अंधेरा होने के कारण सुरक्षाबल काफी एहतियात के साथ स्थिति पर नजर रखे हुए थे। पूरी रात रुक-रुक कर फायरिंग होती रही थी, इसी दौरान एक आतंकी मारा गया था।

संस्मरण | लेखक छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष हैं

सेवा और सादगी की प्रतिमूर्ति रहे श्रीगोपाल व्यास

डॉ रमन सिंह

श्रीगोपाल व्यास जी एक ऐसा नाम है जिन्हें केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि सामाजिक और सेवा क्षेत्र से जुड़ा देश का हर व्यक्ति परिचित है। 15 फरवरी 1932 को श्री पूनमचंद व्यास और श्रीमती जेठाबाई व्यास के घर पुत्र रत्न के रूप में श्रीगोपाल व्यास का जन्म हुआ। बचपन से ही प्रतिभावान श्री गोपाल व्यास जी के भीतर राष्ट्र के प्रति अद्भुत समर्पण था और वह लोकसेवा के लिए सदैव तत्पर रहते थे।

श्रीगोपाल व्यास जी ने जबलपुर के इंजीनियरिंग कॉलेज से अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। उनके मन में जितनी लगन इंजीनियरिंग के प्रति थी, उतनी ही प्रबल भावना मातृभूमि की सेवा के प्रति भी व्यास जी के भीतर समाहित थी। यह वही समय था जब गोपाल जी ने मां भारती की सेवा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मार्ग चुना और वह श्री के एस सुदर्शन जी के संपर्क में आए।

संघ के संस्कार और सुदर्शन जी का मार्गदर्शन मिलने से युवा अवस्था के श्रीगोपाल व्यास जी के व्यक्तित्व में मातृभूमि के प्रति जो सेवा का भाव था, वह और प्रगाढ़ होता चला गया। सामाजिक कार्यों और शिक्षा अर्जन करते हुए जब कुछ समय बीता और इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी हुई तब गोपाल व्यास जी ने भिलाई स्टील प्लांट में नौकरी की। जीवन की व्यस्तता बढ़ने के बाद भी उन्होंने राष्ट्र के प्रति सेवा और सामाजिक कल्याण की भावना का त्याग नहीं किया।

श्रीगोपाल व्यास जी के भीतर मां भारती की सेवा और छत्तीसगढ़ के लोककल्याण की भावना इस प्रकार निहित थी कि जब उन्हें ऐसा प्रतीत हुआ कि उनकी नौकरी की वजह से वह समाज को समय नहीं दे पा रहे हैं, तब उन्होंने भिलाई स्टील प्लांट की नौकरी से त्यागपत्र देकर पूर्ण रूप से स्वयं को समाज के प्रति समर्पित कर दिया।

श्रीगोपाल व्यास जी निरंतर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में रहे और उन्होंने प्रचारक जीवन प्रारंभ किया क्षेत्र कार्यवाह और क्षेत्र प्रचारक (मध्य क्षेत्र) जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का उन्होंने पूरी निष्ठा के साथ निर्वाहन किया और विश्व हिंदू परिषद विदेश संपर्क का भी दायित्व उन्हें प्राप्त हुआ। जिसका श्री गोपाल व्यास जी ने सच्ची श्रद्धा और लगन के साथ निर्वाहन किया। यह वही समय था जब आपातकाल की विरुद्ध संघर्ष करते हुए श्री गोपाल व्यास जी 1975 से 1977 तक रायपुर की जेल में बंद रहे और यहीं से श्रीगोपाल व्यास जी संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच शीरू भईया बनकर लोकप्रिय हो गए।

मुझे भी हमारे शीरू भईया (श्रीगोपाल व्यास जी) के साथ एक लंबा वक्त बिताने का अवसर मिला। हम दौरा पूरा करके राजधानी रायपुर लौटे थे तब शीरू भईया भी हमारे साथ थे। हवाई जहाज से उतरकर एयरपोर्ट से बाहर जाते हुए मैंने अचानक ही उनसे कह दिया कि हम आपके घर चलेंगे, उन्होंने बड़ी ही प्रसन्नता से कहा कि आप घर आइये मैं तैयारी करके रखता हूं। मैंने शीरू भईया से कहा कि तैयारी जैसी किसी भी चीज की आवश्यकता नहीं है हम साथ ही चले चलते हैं, इस पर उन्होंने कहा कि आप मुख्यमंत्री हैं आपको एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए मीडिया के सवालों का जवाब देना होगा, जिसमें कुछ समय बीत जाएगा तब तक मैं घर पहुंचकर सारी व्यवस्था देख लूंगा उन्होंने इतना कहा और एयरपोर्ट से ही ऑटो में बैठकर अपने घर के लिए निकल गए। कुछ ही देर में मुझे भी निकलना था, संयोग ऐसा बना कि जिस मार्ग से वह अपने घर जा रहे थे, उसी मार्ग से मैं भी उनके घर जा रहा था और ट्रैफिक व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मियों ने उसे मार्ग पर आवागमन रोक दिया, जिस मार्ग में उनका ऑटो था।

शीरू भईया इतने सरल और सादगी से भरे व्यक्तित्व थे कि उन्होंने केवल एक बार व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मी से इतना ही कहा कि मुख्यमंत्री मेरे ही घर जा रहे हैं, भाई मुझे तो जाने दो लेकिन जब ट्रैफिक पुलिस ने उनकी बात नहीं मानी तब वह शांतिपूर्वक अपने ऑटो में ही बैठे रहे और जब मैं उनके निवास पहुंचा तब यह पता चला कि वह तो अभी तक घर पहुंचे ही नहीं है तब वायरलेस के माध्यम से पुलिस को यह सूचना दी गई और उनका ऑटो ट्रैफिक से निकलकर उनके घर पहुंचा। वह एक लंबे अरसे तक स्कूटर पर ही चला करते थे, 2006 से 2012 तक जब वह राज्यसभा सदस्य भी बन गए और उन्हें महासमुंद लोकसभा की जिम्मेदारी दी गई तब भी वह बस के माध्यम से महासमुंद पहुंच जाया करते जबकि प्रशासन द्वारा उनके लिए गाड़ी की व्यवस्था की जा सकती थी। शीरू भईया राज्यसभा सदस्य रहते हुए न केवल अपनी सांसद निधि का लोककल्याण के लिए बेहतर उपयोग करते थे बल्कि जब भी आवश्यकता होती तब वह अपनी तनख्वाह को भी सामाजिक कार्यों में समर्पित कर देते थे।

अपनी सादगी, अपनी सरलता, अपने विचार और आदर्शों पर अडिग रहे श्री गोपाल व्यास जी (शीरू भईया) एक ऐसे आदर्श पुरुष के समान है जो छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए सेवा और समर्पण का पर्याय है। ऐसे व्यक्तित्व का देहावसान सामाजिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है जोकि कभी भी पूरी नहीं की जा सकती।

डिप्टी कलेक्टर जय उरांव को हाईकोर्ट की डबल बेंच से मिली राहत

■ सिंगल बेंच के 2 फैसलों पर लगाई रोक

बिलासपुर। भू अभिलेख शाखा से रिकार्ड गयाब होने के मामले में डिप्टी कलेक्टर जय उरांव को हाई कोर्ट की डबल बेंच से राहत मिली है। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के दो महत्वपूर्ण फैसले जिसमें सरकारी जमीन की अफरा-तफरा में हाथ काला करने वाले तब के अतिरिक्त तहसीलदार और वर्तमान में डिप्टी कलेक्टर व एक सरपंच के खिलाफ न्यायालयीन आदेश की अवहेलना के आरोप में नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। इन दोनों फैसले पर जस्टिस रजनी दुबे व जस्टिस संजय कुमार जायसवाल की डिवीजन बेंच ने आगामी आदेश तक रोक लगा दी है। डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के फैसले पर त्रुटि पाते हुए यह आदेश जारी किया है।

याचिकाकर्ता लक्ष्मी वैष्णव ने सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती देते हुए अपील की है, मामले की सुनवाई के दौरान डिवीजन बेंच को बताया गया, कि सिंगल बेंच ने न्यायालयीन अवमानना का दोषी पाते हुए उसे सरपंच पद से हटाते हुए अमरिका बाई अजगले को ग्राम पंचायत का कार्यवाहक सरपंच नियुक्त करने का निर्देश जारी किया है। ऐसा आदेश या निर्देश न्यायालय की अवमानना अधिनियम के तहत पारित नहीं किया जा सकता है। याचिकाकर्ता को

बहुमत से कार्यवाहक सरपंच के रूप में विधिवत चुना गया था और 16।01।2024 से वह बिना किसी चूक के अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रही है। इसलिए 18।09।2024 को सिंगल बेंच द्वारा जारी विवादित आदेश के प्रभाव और संचालन पर अन्य पक्षों को नोटिस दिए जाने तक रोक लगाई जाए।

इधर अमरिका बाई अजगले के अधिवक्ता ने याचिकाकर्ता की प्रार्थना का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता अवमानना मामले में पक्षकार नहीं है और अवमानना मामले में अवमाननाकर्ता ने 23।04।2024 को पारित सिंगल बेंच के आदेश का पालन नहीं किया है, इसलिए अवमानना न्यायालय ने सही ढंग से आदेश पारित किया है और यह अपील स्वीकार्य खारिज किए जाने योग्य है।

मामले में दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में लिखा है कि हमने दोनों पक्षों की दलील सुनी और कोर्ट द्वारा पारित 18।09।2024 के विवादित आदेश का भी अवलोकन किया है। अवमाननाकर्ता को सरपंच पद से हटाने का निर्देश जारी किया गया था और याचिकाकर्ता के अनुसार, वह जनवरी, 2024 से काम कर रही है। मामले में अंतरिम उपाय के रूप में, यह निर्देश दिया जाता है कि 18।09।2024 के आदेश का प्रभाव और संचालन सुनवाई की अगली तारीख तक स्थगित रहेगा।

वहीं डिप्टी कलेक्टर जय शंकर उरांव के अधिवक्ता ने डिवीजन बेंच से कहा कि याचिकाकर्ता उस समय उस पद पर तैनात नहीं था, जब सिंगल बेंच द्वारा 12।08।2024 को आदेश पारित किया गया था। यहां तक कि अवमानना मामले में 25।10।2024 को विवादित आदेश पारित करने के समय भी याचिकाकर्ता कहीं और पदस्थ था। सरकारी मजीन की हेरा-फेरी के संबंध में मुख्य आरोप संबंधित न्यायालय के रीडर के खिलाफ है कि उसने संबंधित रिकॉर्ड को गलत जगह रख दिया है। इसलिए याचिकाकर्ता को जवाबदेह नहीं ठहराया जा सकता।

मामले में कोर्ट ने 25.10.2024 को अपीलकर्ता के खिलाफ जारी एफआईआर दर्ज करने के निर्देश को डिवीजन बेंच ने अगली सुनवाई तक प्रभाव और संचालन पर रोक लगा दिया है।

ये है पूरा मामला

पौंसरा की 2।15 एकड़ जमीन की खरीदी बिक्री 2013-14 में की गई थी। तब इसे लेकर जमकर विवाद हुआ था। विवाद सुलझने के बाद जमीन का नामांतरण कर दिया गया। नामांतरण आदेश में तात्कालीन अतिरिक्त तहसीलदार जय शंकर उरांव के हस्ताक्षर हैं। पेखन लाल शेंडे ने रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण आदेश के दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतिलिपि उपलब्ध कराने की मांग करते हुए 31 अगगस्त 2024 को तहसीलदार बिलासपुर के समक्ष आवेदन पेश किया। लगातार स्मरण करने के बाद भी जब दस्तावेज नहीं उपलब्ध कराया गया। तो पेखन लाल शेंडे ने अधिवक्ता के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका लगाई। मामले की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने तहसीलदार बिलासपुर को नोटिस जारी कर याचिकाकर्ता को पूरे प्रकरण के दस्तावेज उपलब्ध कराने कहा। कोर्ट के निर्देश के बाद भी याचिकाकर्ता को दस्तावेज नहीं मिले। इस मामले में कोर्ट ने एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिया था। जिसे लेकर अपील की गई थी, डीबी ने इस आदेश पर रोक लगाई है।

शराब बेचकर कमीशन दो, नहीं तो जेल भेज दूंगा

धमकी से परेशान होकर युवक ने आरक्षकों के खिलाफ की शिकायत

जांजगीर चांपा। अवैध शराब बिक्री करने का दबाव बनाकर कश्मीशन की मांग करने से परेशान होकर युवक अनिल खूंटे ने एसपी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। अनिल खूंटे ने चांपा थाने में पदस्थ पेट्रोलिंग आरक्षक शंकर सिंह राजपूत और माखन साहू पर आरोप लगाया है।

अनिल खूंटे ड्राइवरी का काम करता है। उसने शिकायत में बताया कि आरक्षक शंकर सिंह राजपूत से मुलाकात हुई थी, जिसने अवैध रूप से शराब बेचने की सलाह दी और कहने लगा कि वह किसी तरह से नहीं फंसाएगा। चांपा थाने में उसका आदमी है और वह खुद चांपा थाने में पदस्थ है। थाना प्रभारी से उसका अच्छा संबंध है। केवल शराब बेचकर कमीशन देने की बात कही। इसमें उसने कमीशन के तीन हजार रुपये फोनपे के माध्यम से पूनम सिंह राजपूत के खाते में ट्रांसफर शंकर सिंह राजपूत के कहने पर 27 फरवरी 2024 को कर दिए।

इसके बाद उसे फरवरी से अगस्त माह तक 70 हजार रुपये नकद और अंग्रेजी शराब दुकान में दो हजार रुपये प्रतिमाह का दिए। इसके बाद भी शाम को आकर आरक्षक शंकर सिंह राजपूत आकर कहता कि शराब नहीं बेचोगे तो पूरे परिवार को किसी अन्य प्रकरण में फंसाकर जेल भेज दूंगा। थाना प्रभारी से अच्छी पकड़ है। किसी भी जगह गांजा, कोरेक्स जैसे अन्य नशीली पदार्थ में फंसाकर 10 वर्षों की सजा दिलाने की धमकी दी। पूरे परिवार में भय का माहौल है और घर से निकल नहीं पा रहे हैं। युवक ने गृहमंत्री विजय शर्मा से न्याय की मांग करते हुए कार्रवाई की मांग की है। वहीं, आबकारी विभाग ने भी कार्रवाई की और पैसे लेने की बात कही जा रही है।

चावल मांगने पर सोसाइटी संचालक ने विकलांग ग्रामीण को पीटा

पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

रायगढ़। तमनार थाना क्षेत्र में एक विकलांग ग्रामीण को शासकीय उचित मूल्य की दुकान में पिछले माह का चावल मांगना उस वक्त महंगा पड़ गया जब सोसाइटी संचालक ने उसकी पिटाई कर दी। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया है।

तमनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जरेकेला निवासी विद्यानंद ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि बचपन से वह विकलांग है और अपने घर में कम्प्यूटर व फोटो कॉपी दुकान चलाता है और अपने छोटे भाई के परिवार व माता-पिता के साथ रहता है। पीड़ित ने बताया कि उसका और उसके भाई का राशन कार्ड अलग-अलग बना है, जिसमें हर माह शासकीय उचित मुल्य की दुकान से चावल लेते हैं।

पीड़ित ने बताया कि पिछले माह अक्तूबर माह का राशन उसे नही मिला था। पांच नवंबर को जब वह अपने छोटे भाई अशोक के साथ राशन लेने जरेकेला शासकीय उचित मूल्य की दुकान में पहुंचा था। इस दौरान उसने राशन वितरण करने वाले राधेश्याम पैंकरा को पिछले महीने का भी राशन एक साथ देने के लिये कहा। तब उसे कहा गया कि पिछले महीने का राशन नहीं मिलेगा।

इस दौरान जब पीड़ित के द्वारा क्यों नहीं दोगे पूछने पर दोनों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई और फिर राधेश्याम पैंकरा ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए चावल निकालने वाले बर्तन से पीड़ित विद्यानंद से मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उसे और बीच-बचाव कर रहे उसके छोटे भाई को चोट आई है।

बहरहाल पीड़ित युवक की रिपोर्ट के बाद तमनार पुलिस ने जरेकेला शासकीय उचित मूल्य की दुकान में चावल वितरण करने वाले राधेश्याम पैंकरा के खिलाफ धारा 115 (2) 296, 351 (2) के तहत अपराध दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया है।

मंदिर में महिला से पैसे लेकर रफूचक्कर हुआ वर्दीधारी

बिलासपुर। रतनपुर के महामाया मंदिर परिसर में महिला से एक खाकी वर्दी धारी ने छुट्टे लेने के नाम पर दिन भर की कमाई चिल्हर दो सौ रुपये लेकर रफूचक्कर हो गया। घटना के बाद खाकी वर्दी धारी को महिला इधर-उधर ढूंढने भटकती रही। मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखने पर आरोपी खाकी वर्दी धारी की शारीरिक भाषा संदिग्ध लगी। आरोपी पुलिस कर्मी है या कोई और जांच में ही सामने आ पाएगा। फिलहाल, मामले की शिकायत रतनपुर थाने में नहीं की गई है। लेकिन घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

दरअसल, भैंसों जेवरा निवासी महिला रतनपुर स्थित महामाया मंदिर परिसर में ही आसरा लेकर अपनी आजीविका चला रही है। मंगलवार की शाम सवा पांच बजे अन्य भिक्षुओं के साथ वीआईपी निकासी गेट की ओर बैठी हुई थी। इसी दौरान खाकी वर्दी में एक आदमी आया और दो सौ रुपये के खुल्ले की मांग की। उसने पांच सौ रुपये होने की बात कहकर उसका चिल्हर कराके दो सौ रुपये लौटाने की बात कही। महिला उसे अपने पास जमा दिन भर की कमाई के चिल्हर दो सौ रुपये दे दिए। खाकी वर्दी धारी चिल्हर दो सौ रुपये लेकर चला गया।

इधर महिला अब अपने दो सौ रुपए के लिए खाकी वर्दी धारी व्यक्ति की राह देखती रही। काफी देर बाद भी उसके नहीं लौटने पर उसे तलाशने इधर-उधर भटकने लगी। काफी देर बाद थक हार कर महामाया मंदिर परिसर स्थित ट्रस्ट कार्यालय पहुंचकर घटना की जानकारी दी। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग खंगाला गया तो वीडियो में एक खाकी वर्दी धारी अधेड़ की शिनाख्त की गई। वीडियो में आरोपी खाकी वर्दी धारी की शारीरिक भाषा असामान्य दिखाई दे रही है।

जशपुर में कियोस्क बैंक लूट और हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

जशपुर। जिले के बटाईकेला गांव में हाल ही में हुई कियोस्क बैंक लूट और हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने आसपास के 15 गांवों के जंगलों में सघन तलाशी अभियान चलाया और 11 पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले।

5 नवंबर को संचू कुमार गुप्ता अपने कियोस्क बैंक में लेन-देन कर रहे थे, जब करीब 11 बजे दो आरोपी—रवि उरांव उर्फ रवि कुजूर और रातु राम (29 वर्ष) लालगुडा बटाईकेला गांव से—उनके कियोस्क बैंक पहुंचे। दोनों बिना नंबर की मोटरसाइकिल से आए और पहले किराने की दुकान से चॉकलेट और पानी खरीदने का बहाना किया। इसके बाद उन्होंने बैंक में प्रवेश कर संचू को पैसे देने के लिए धमकाया। संचू द्वारा विरोध करने पर रवि ने कट्टे के बट से उसके सिर पर हमला कर दिया। इसी बीच संचू की दादी उर्मिला बाई ने विरोध किया, तो रवि ने उन्हें गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

घटना के बाद आरोपी रवि और रातु वहां से भाग गए, हालांकि उन्हें रोकने का प्रयास भी किया गया। सूचना मिलने पर जशपुर पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 2 टीमों का गठन किया और इलाके में नाकेबंदी कर दी गई। जांच में लगे अधिकारियों ने सभी संभावित रास्तों पर पेट्रोल पंपों और 15 गांवों के जंगलों में तलाशी ली। पुलिस ने सीसीटीवी और तकनीकी सहायता के जरिए रवि के कांसाबेल में होने की पुष्टि की।

मोटरसाइकिल के चेसिस नंबर से वाहन के मालिक शीतुल राम चौहान को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। शीतुल ने बताया कि रवि ने घटना के लिए उससे मोटरसाइकिल ली थी। साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस ने रातु राम के घर पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसने जुर्म कबूल कर लिया और बताया कि यह लूट और हत्या की योजना उन्होंने जशपुर जेल में ही बनाई थी।

6 नवंबर को थाना कांसाबेल पुलिस ने हत्या और लूट के दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, मुख्य आरोपी रवि उरांव और एक अन्य की तलाश जारी है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

न्यायालय परिसर में फिर घुसा भालू, वनकर्मी को किया घायल

कांकेर। न्यायालय परिसर में एक बार फिर भालू घुस गया। बुधवार को भी भालू न्यायालय परिसर में घुसा था, जो रात में भाग निकला। गुरुवार सुबह होते ही भालू फिर से लौट आया, जिसने एक वनकर्मी को घायल कर दिया। न्यायालय परिसर के भीतर दो दिनों से भालू ने डेरा डाल रखा है। भालू की मौजूदगी के चलते यहां पहुंचने वाले लोगों में दहशत है। दरअसल, जिला मुख्यालय कांकेर में जंगली जानवरों का आतंक लगातार बना हुआ है। आये दिन भालू, तेंदुआ जैसे जंगली जीव रिहायसी इलाकों में पहुंच रहे हैं। भोजन-पानी की तलाश में भटकते यह जंगली जानवर लोगों पर हमले कर रहे हैं। जिला न्यायालय परिसर में घुसे भालू ने एक वनकर्मी पर हमला कर घायल कर दिया। गनीमत रही कि अन्य मौजूद वनकर्मियों ने भालू को खदेड़ा नहीं तो कोई अप्रिय घटना हो सकती थी। दो दिनों से परिसर के भीतर मौजूद होने से लोगों में दहशत व्याप्त है। वहीं, न्यायालय परिसर के ठीक सामने कलेक्ट्रेट सहित विभिन्न विभागों के दफ्तर है।

औद्योगिक विकास के लिए 118 एकड़ जमीन की मंजूरी

जगदलपुर। राज्य सरकार ने बस्तर के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए जगदलपुर के नियानार गांव में 118 एकड़ भूमि के आवंटन की मंजूरी दे दी है। इस कदम से बस्तर क्षेत्र में सहायक उद्योगों की स्थापना को बल मिलेगा, खासकर नगरनार इस्पात संयंत्र के आसपास। इससे स्थानीय रोजगार में वृद्धि और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीसीसीआई) ने लंबे समय से इस भूमि आवंटन की मांग की थी, जिसे अब मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्वीकार किया गया और केबिनेट की स्वीकृति भी मिल गई है। इस भूमि आवंटन से छोटे और मध्यम उद्योगों की स्थापना को सरल बनाने में मदद मिलेगी। बीसीसीआई के अध्यक्ष श्याम सोमानी ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम बस्तर में औद्योगिक और व्यवसायिक वातावरण को और सशक्त बनाएगा। उनका मानना है कि इससे न केवल स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं को भी रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

शिक्षक ने नौकरी लगवाने के नाम पर युवती से ऐंठे लाखों रु.

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले में सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी खुद एक सरकारी टीचर है। जो पुटपुरा गांव के शासकीय स्कूल में पदस्थ है। सरकारी स्कूल में पदस्थ आरोपी टीचर का नाम मनमोहन सिंह है। साल 2019 में आरोपी ने छत्तीसगढ़ शिक्षा कर्मी और प्रयोग शाला सहायक पद की भर्ती में नौकरी दिलाने के नाम पर एक युवती से 6 लाख रुपये में सौदा तय किया। एडवांस के तौर पर डेढ़ लाख रुपये लिए। लेकिन ना नौकरी दिलाई और ना ही रुपये वापस किए। जिसके बाद युवती कोतवाली थाने पहुंची और आरोपी के बारे में बताते हुए मामले की शिकायत दर्ज कराई। एडिशनल एसपी राजेंद्र जायसवाल ने बताया कि बालको नगर कोरबा की रहने वाली सुलोचना बंजारे ने जांजगीर कोतवाली थाना में आरोपी टीचर मनमोहन सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। युवती ने बताया कि जांजगीर के टीचर मनमोहन सिंह ने नौकरी लगाने के नाम पर 2019 में डेढ़ लाख रुपये लिए थे। उसके बाद लगातार घुमा रहा था।

तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आया बाइक सवार

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत नकटीखार बाजार के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बाइक सवार युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, दो लोग बाल-बाल बच गए, जिन्हें मामूली चोटें आई हैं। इस घटना के बाद देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई और इसकी सूचना सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई जहां मौके पर पहुंची लेकिन इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने चक्का जाम कर दिया। बताया जा रहा है कि घटना देर रात की है। नकटीखार निवासी 28 वर्षीय विकेश कुमार, लक्ष्मी उरांव, छोटू तीनों बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहे थे। इस दौरान नकटीखार बाजार चौक के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने अपनी चपेट में लेते हुए मौके से फरार हो गया। हादसे की घटना के बाद लोग आक्रोशित हो गए। वहीं सूचना पर पहुंची सिविल लाइन थाना पुलिस ने ग्रामीणों को किसी तरह समझाया तब जाकर चक्का जाम समाप्त हुआ और शव को जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना किया गया।

सर्दी-खांसी की दवा बताकर पिला दिया जहर

भाटापारा। सर्दी-खांसी ठीक करने के नाम पर गलत दवाई देने वाले आरोपी राजेश मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने तीन लोगों को पानी में आयुर्वेद दवाई के नाम पर जहरीला तरल पदार्थ पिलाया। तीनों दवाई पीने के बाद अस्पताल में भर्ती हो गये थे। उपचार के दौरान एक व्यक्ति दिनेश वर्मा की मौत हो गई। पुलिस ने पीड़ितों के बयान पर आरोपी राजेश मिश्रा को पकड़ा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लवन में भर्ती राहुल वर्मा ने बताया कि चार नवंबर को दिनेश वर्मा के निर्माणाधीन मकान में काम पर गया था, वहां मोहन धीवर भी साथ था। इसी दौरान आरोपी राजेश मिश्रा वहां आया और अभी सर्दी खांसी का सीजन है कहकर अपने पास रखे एक बोतल से तरल पदार्थ को कफ सिरप है बताकर दे दिया। इसके बाद राजेश मिश्रा द्वारा एक स्टील गिलास में आधा पानी और आधा दवाई मिलाकर मुझे, दिनेश वर्मा एवं मोहन धीवर को दिया, जिसे तीनों ने पिया। रात 1:30 बजे राहुल वर्मा की अचानक उल्टी होने लगी और तबीयत बहुत ज्यादा खराब हो गई।

जर्जर भवन, पेयजल और बिजली की कमी से जूझ रहे आंगनबाड़ी केंद्र

बीजापुर। जिले के धनोरा ग्राम पंचायत के आश्रित गांव रेंगानार में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन जर्जर हो चुके हैं, और यहां बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। इन आंगनबाड़ी केंद्रों का रखरखाव न होने से बच्चों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है, जबकि जिम्मेदार अधिकारियों का इस ओर ध्यान नहीं है।

धनोरा पंचायत के रेंगानार में संचालित अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्रों की हालत खस्ता है। इन भवनों की छतों का प्लास्टर उखड़ रहा है, और बरसात के दिनों में पानी टपकता है। 2016-2017 में इन भवनों का जीर्णोद्धार किया गया था, लेकिन स्थिति दोबारा गंभीर हो गई है। जर्जर हालात के चलते बच्चों और स्टाफ की जान को खतरा है।

रेंगानार के आंगनबाड़ी केंद्रों में न तो पानी

की समुचित व्यवस्था है और न ही बिजली का कनेक्शन। कुछ जगहों पर हैंडपंप लगाए गए थे, लेकिन अब वे भी खराब हो चुके हैं। गर्मी के मौसम में बिना बिजली के बच्चों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है।

करीब दो दशक पहले बनाए गए इन केंद्रों में शौचालय का निर्माण तो किया गया है, लेकिन वे भी अब जर्जर हो चुके हैं और मरम्मत की आवश्यकता है। शौचालयों की बदहाली से बच्चों और केंद्र के कर्मचारियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने पंचायत स्तर पर भवनों की मरम्मत के लिए प्रस्ताव भी दिए हैं, लेकिन इस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

स्थानीय लोगों ने पेयजल और बिजली जैसी सुविधाओं के लिए प्रयास भी किए हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर अब तक कोई ध्यान नहीं दिया है। धनोरा ग्राम पंचायत में बच्चों के शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए बनाए गए ये आंगनबाड़ी केंद्र उचित रखरखाव और सुविधाओं की कमी के कारण उपेक्षित पड़े हैं।

ग्रामीणों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन इन केंद्रों की मरम्मत और बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति के लिए जल्द कार्रवाई करेगा, ताकि बच्चों को सुरक्षित और स्वस्थ माहौल में शिक्षा मिल सके।

बस्तर ओलंपिक में शामिल होने बाईक रैली निकालकर लोगो को दी गई जानकारी

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य तथा बस्तर संभाग के जनजातीय बहुल्य एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र के खेलों में अपार नैसर्गिक क्षमताओं के विकास के साथ-साथ इस क्षेत्र में शासन एवं जनता के मध्यम मजबूत संबंध स्थापित कर यहाँ के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने, उनके रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा को पहचनाकर खिलाड़ी के रूप में तैयार करने हेतु बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया जा रहा है। आज जिले के बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान से बस्तर ओलंपिक में शामिल होने बाईक रैली निकालकर लोगो को जानकारी दी गई। बाईक रैली मैदान से निकलकर पुराना बस स्टैण्ड होते हुआ जयस्तंभ चौक होते हुए गौरवपथ होते हुए बखरूपारा पहुंची वहा से निकलकर जगदीश मंदिर, पाठक चौक, नगरपालिका कार्यलय होते हुए घण्डी चौक, आड़िटोरियम होते हुए पुनः मैदान से संपन्न हुआ।

बाईक रैली में जिला पंचायत सदस्य प्रताप मण्डावी, पार्षद जैकी कश्यप, प्रमिला प्रधान, नरेन्द्र मेश्राम, कलेक्टर बिपिन मांझी, अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई, अतरिक्त पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुरिया, एस.डी.एम. अभयजीत मण्डावी, सहायक आयुक्त राजेन्द्र सिंह, उपसंचालक पंचायत विक्रम बहादुर, तहसीलदार सौरभ चौरसिया, चिराग रामटेके सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

बस्तर ओलंपिक में 14 से 17 वर्ष एवं 17 अधिक आयुवर्ग के युवक-युवतियाँ भाग ले सकेंगे। इसके अलावा विशेष रूप से माओवाद प्रभावित दिव्यांगों तथा आत्मसमर्पित माओवादियों का खेल प्रतियोगिताएं सीधे संभाग स्तर पर आयोजित की जाएगी। विजेता खिलाड़ियों को गणवेश, प्रमाण पत्र, ट्रॉफी, शील्ड, नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। बस्तर ओलंपिक में भाग लेने हेतु ऑनलाईन एवं ऑफलाईन के माध्यम से पंजीकृत खिलाड़ी बस्तर ओलंपिक 2024 में सम्मिलित हो सकेंगे। जिला में उक्त आयोजन के संबंध में कलेक्टर बिपिन मांझी द्वारा आयोजन की तिथि निर्धारित कर दी गयी है। विकासखण्ड स्तरीय बस्तर ओलंपिक खेल प्रतियोगिता विकासखण्ड नारायणपुर में 09 से 11 नवंबर तक क्रीड़ा परिसर मैदान नाराणपुर में आयोजित की जाएगा तथा विकासखण्ड ओरछा में 14 से 16 नवंबर को आयोजित की जाएगा। विकासखण्ड स्तरीय बस्तर ओलंपिक का अपरिहार्य कारण से जिला मुख्यालय नारायणपुर में आयोजित की जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अबूझमाड़ के बच्चों को किया दिल्ली आमंत्रित

रायपुर। अबूझमाड़ के बच्चों ने राज्योत्सव में

अपने मलखंभ का ऐसा शानदार प्रदर्शन किया कि कार्यक्रम देख रहे उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने पुन: मंच पर जाकर टीम के सबसे छोटे बच्चे को गोद में उठा लिया। उपराष्ट्रपति ने बच्चों को इस प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा कि आप सभी को दिल्ली घुमाने ले जाएंगे, वहां आपको संसद भवन, वार मेमोरियल, पीएम संग्रहालय दिखायेंगे। साथ ही उन्होंने संसद टीव्ही में साक्षात्कार कराने की बात भी कही। उपराष्ट्रपति के स्नेह से बच्चे भी अभिभूत हो गए। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बहुत खुशी का क्षण है कि हम दिल्ली जाकर देश के भव्य स्मारकों को देखेंगे।

समापन समारोह में पवनदीप-अरुणिता के शानदार गीतों से दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

रायपुर। राज्योत्सव के तीसरे दिन समापन समारोह में पवनदीप और अरुणिता ने शानदार गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी। इन दोनों ही प्रख्यात गायकों ने एक के बाद एक शानदार गीत गाकर समारोह में समां बांध दिया। मेरी दुआओं से आती है सदा यही, मेरी होके हमेशा ही रहना जैसे गीतों ने वातावरण में तरंग जगा दी। कार्यक्रम स्थल में दर्शक अपने पसंदीदा गानों को गाने का आग्रह करते रहे। देर शाम तक कलाकारों ने सुंदर प्रस्तुति कर सबका मन प्रसन्न कर दिया। इसके पहले जादू बस्तर का कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। इस कार्यक्रम में बस्तर के अनूठे संगीत की प्रस्तुति ने लोगों का दिल जीत लिया। बस्तर ने हमेशा से ही अपने भीतर एक लोकधुन को सहेज कर रखा है जो मीठी है दिल को छू लेने वाली है। आज इन सुंदर लोकधुनों की प्रस्तुति हुई। पूरा वातावरण एक अनूठे स्वरसंसार में डूब गया। लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बहुत सराहा और कलाकारों को भरपूर प्रोत्साहित किया।

बस्तर ओलंपिक: विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता 15 नवम्बर तक

कोण्डागांव। बस्तर ओलम्पिक 2024 अंतर्गत विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता के विभिन्न खेलों के लिए खेल विभाग द्वारा तिथि निर्धारित कर दी गई है। जिला खेल अधिकारी द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 नवम्बर 2024 को बैडमिंटन खेल, विकासनगर इंडोर स्टेडियम तथा बड़ेकनेरा रोड स्थित बैडमिंटन कोर्ट पर आयोजित किया जायेगा। इसके अलावा नगर पालिका टाउन हॉल कोण्डागांव में कराते और खेलो इंडिया सेंटर कोण्डागांव में तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इसी तरह 9 नवम्बर को वॉलीबॉल के मुकाबले का आयोजन बडेकनेरा रोड स्थित वॉलीबॉल कोर्ट तथा बालक छात्रावास में होंगे। वहीं फुटबॉल एवं रस्साकसी के खेल प्रतियोगिता विकासनगर स्टेडियम में होंगे। एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 11 नवम्बर को विकासनगर स्टेडियम में तथा 12 नवम्बर को डी.एन.के. मैदान में आयोजित की जाएगी। 13 नवम्बर को खो-खो प्रतियोगिता विकासनगर स्टेडियम और बालक हास्टल मैदान में एवं कबड्डी मुकाबले 14 नवम्बर को बड़ेकनेरा रोड के कबड्डी मैदान और 15 नवम्बर को विकासनगर स्टेडियम में प्रतियोगिता का आयोजन होंगे।

मुतवेंडी कैंप के पास आईईडी व स्पाइक्स बरामद, जवानों किया नष्ट

बीजापुर। गंगालुर इलाके में एरिया डोमिनेशन पर निकले जवानों ने मुतवेंडी कैंप के पास से आईईडी व स्पाइक्स बरामद कर उसे नष्ट कर दिया है। पुलिस ने बताया कि गंगालुर थाना क्षेत्र के मुतवेंडी कैंप से डीआरजी, कोबरा 202 व सीआरपीएफ 85वीं बटालियन की संयुक्त पार्टी एरिया डोमिनेशन पर निकली थी। अभियान के दौरान जवानों ने टीम ने मुतवेंडी के पास जंगली रास्तों में नक्सलियों द्वारा लगाये गए स्पाइक्स व आईईडी को जवानों ने बरामद कर उसे वहीं सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया है। पुलिस का कहना है कि टीम अभी भी अभियान पर है। टीम के वापसी के बाद विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

कृषि मंत्री समेत हजारों श्रद्धालुओं ने दिया अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य

बलरामपुर रामनुजगंज। बलरामपुर रामानुजगंज में लोक आस्था के महापर्व छठ पर्व के तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए नदी में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं के उमड़े जनसैलाब के मध्य नजर राम मंदिर घाट में नवयुवक दुर्गा पूजा संघ वही शिव मंदिर घाट में स्थानीय छठ पूजन समिति के द्वारा व्यापक स्तर में व्यवस्था की गई थी। नगर पंचायत रमन अग्रवाल स्वयं खड़े होकर व्रतियों के कन्हर नदी में आने के पूर्व उनके आने वाले रास्ते की साफ सफाई एवं पानी से पूरे रास्ते को धुलवाया गया। कृषि मंत्री राम विचार नेताम एवं सांसद चिंतामणि महाराज भी छठ पूजा में सम्मिलित हुए। नगर में विगत कई दशकों से छठ पर्व की अद्भुत छटा देखने को मिलती है। छठ पर्व यहां विशेष धूमधाम से मनाया जाता है, जिसके लिए 15 दिन पूर्व से व्यापक स्तर में तैयारियां प्रारंभ हो जाती है। कन्हर नदी में इस बार प्राकृतिक रूप से छठ घाट का निर्माण हो गया था। नगर पंचायत के द्वारा साफ सफाई एवं रेत को समतल कर ठीक कराया गया। श्रद्धालुओं के उमड़ी भीड़ के मध्य नजर बड़ी संख्या में पुलिस बल भी पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जगह-जगह तैनात रहा।

छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर पर गरमाई सियासत

भाजपा को छत्तीसगढ़ महतारी की इज्जत नहीं: महंत भाजपा ने मान-सम्मान को बढ़ाने का किया काम: साव

रायपुर। नवा रायपुर में तीन दिवसीय भव्य छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का आयोजन किया गया, लेकिन इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर न होने से विवाद खड़ा हो गया है। इसको लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए इसे छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा का अपमान बताया है। तो वहीं भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि बीजेपी ने हमेशा छत्तीसगढ़ महतारी के मान-सम्मान को बढ़ाने का काम किया है।

नेताप्रतिपक्ष चरणदास महंत ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी को छत्तीसगढ़ महतारी की इज़्ज़त नहीं है। इन्हें न संस्कृति, न हमारे परंपरा, छत्तीसगढ़ियों के अचार-विचार किसी की इज़्ज़त नहीं है। जिनकी सेवा कर रहे हैं उनकी ही तस्वीर नहीं है। यह बयान उन्होंने रायपुर दक्षिण उपचुनाव के लिए जनसंपर्क अभियान के दौरान दिया।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने कांग्रेस के आरोपों का खंडन करते हुए कहा, बीजेपी ने छत्तीसगढ़ महतारी के मान-सम्मान को बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज देश और दुनिया में छत्तीसगढ़ की पहचान बनी है वो केवल बीजेपी के कारण बनी है। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को कुपोषण, अशिक्षा और भुखमरी के कगार पर छोड़ दिया था। छत्तीसगढ़ को कांग्रेस ने देशभर में भ्रष्टाचार, अपराध और नशे के गढ़ के रूप में बदनाम करवाया। छत्तीसगढ़ के मान सम्मान और गौरव की बात इनके मुंह से शोभा नहीं देती। छत्तीसगढ़ का मान सम्मान बढ़ाने का काम हमारी सरकार विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कर रही है।

धर्मांतरण के मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव के बयान पर नेताप्रतिपक्ष चरणदास महंत ने पलटवार करते हुए कहा कि धर्मांतरण की परिभाषा क्या है, यह मंत्री बताएं। संविधान के अनुसार अगर कोई व्यक्ति पूजा करता है या मंदिर-मस्जिद जाता है, तो उसे धर्मांतरण का नाम देकर कांग्रेस को बदनाम करते है ,ये उचित नहीं है।

चुनाव में धार्मिक मुद्दों के उपयोग पर महंत की आपत्ति

महंत ने चुनाव के दौरान धार्मिक बाबाओं और संतों के छत्तीसगढ़ दौरों पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि धार्मिक एजेंडे पर काम नहीं करना चाहिए, हमारा लोकतंत्र है, संविधान है। उन्हें लोकतंत्र, भाईचारा और एकता के नाम से वोट मांगना चाहिए। तब सही चुनाव कहा जाएगा है।

रायपुर दक्षिण उपचुनाव के लिए जनसंपर्क अभियान में निकले नेता प्रतिपक्ष महंत ने ब्राह्मण समाज के लोगों से मुलाकात की और कहा कि पहली बार ब्राह्मण युवा के लिए समाज से आशीर्वाद लेने निकले हैं। इनके पारिवारिक संबंधी के अनुसार प्रत्याशी हमने दिया। माहौल देखकर प्रसन्नता हुई। सबके आशीर्वाद से प्रत्याशी को विजय प्राप्त होगा।

महंत ने उपचुनाव के मुद्दों पर भी सरकार को घेरा और कहा, यहां की गलियों और नालियों की हालत पांच साल पहले जैसी ही है, कोई सुधार नहीं हुआ है। ब्रजमोहन जी मंत्री रहे हैं, लेकिन क्षेत्र की स्थिति जस की तस बनी हुई है।

शारीरिक क्षति की स्थिति में मिलेगी क्षतिपूर्ति

बेमेतरा। बेरला ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पिरदा स्थित स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड कंपनी में 25 मई 2024 को सुबह 7:56 बजे ब्लास्ट हुआ था। ब्लास्ट के चपेट में आने से नौ लोगों की मौत व सात लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। घटना के लगभग पांच माह बाद प्रशासन ने विस्फोट में श्रमिकों के अतिरिक्त अन्य शारीरिक क्षति पीड़ितों के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू की है। इस विस्फोट में किसी भी प्रकार की शारीरिक क्षति का सामना करने वाले व्यक्तियों को क्षतिपूर्ति प्राप्त करने के लिए आवेदन करना होगा। स्पेशल ब्लास्ट लि. में कार्यरत श्रमिकों के अतिरिक्त अन्य प्रभावित व्यक्ति, जिनकी संपत्ति को किसी प्रकार की क्षति पहुंची हो या जिन्हें शारीरिक क्षति हुई हो वह 21 नवंबर तक आवेदन पत्र अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, संयुक्त जिला कार्यालय बेमेतरा में जमा कर सकते हैं।

राहुल गांधी के लेख पर मचा बवाल

सीएम के मीडिया सलाहकार ने लेख की मौलिकता के साथ राहुल की समझ पर उठाया सवाल

रायपुर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का इंडियन एक्सप्रेस अखबार में छपे एक लेख पर बवाल मचा हुआ है। व्यापार को लेकर राहुल गांधी के लेख के विषय को लेकर एक तरफ सियासी बयानबाजी है, तो दूसरी ओर लेख की मौलिकता पर सवाल उठ रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मीडिया सलाहकार पंकज कुमार झा ने लेख की मौलिकता के साथ राहुल गांधी की समझ के साथ कांग्रेस पार्टी पर सवाल किया है।

पंकज कुमार झा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए अपने पोस्ट में पद्मजा नाम

की यूजर का पोस्ट शेयर किया है, जिसमें पद्मजा ने राहुल गांधी के लेख को चोरी साहित्यिक चोरी करार देते हुए कहा कि बस दो लाइन पढ़ने के बाद समझ आ गया था कि यह लेख एडमंड बर्क ऑन इंडिया ङ्क के अध्याय 13 का एक चालाकी से कॉपी किया गया है, जिसे कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस ने 05 दिसंबर 2012 को ऑनलाइन प्रकाशित किया था, और बाद में ङ्क प्लेटफ़ॉर्म में से एक द्वारा सुधार किया गया था। आगे पढ़ने की कोई ज़रूरत नहीं है। किसान से मेसन से पॉटर से ड्राइवर और अब लेखक?

पंकज झा ने इस पोस्ट को शेयर करने के साथ टिप्पणी करते हुए लिखा है कि जो व्यक्ति यह नहीं जानता हो कि ट्रक पेट्रोल से चलता है, या डीजल से, उनसे यह उम्मीद करना कि अर्थव्यवस्था आदि विषय पर लेख लिखे, निस्संदेह ऐसी उम्मीद राहुल से किसी को नहीं होती कभी। इसके आगे वे राहुल की योग्यता के साथ-साथ उनकी पार्टी पर भी तीखा तंज कसते हुए लिखते हैं कि क्या कांग्रेस में कोई मनुष्य बचा ही नहीं, जो इन चीजों पर विचार करे? दु:खद।

बीएड-डीएड डिग्री विवाद पर हाईकोर्ट में सुनवाई

किसी की नौकरी छीनना किसी समस्या का समाधान नहीं, सरकार को दिया सुझाव

रायपुर। 6 नवम्बर 2024 को हाईकोर्ट बिलासपुर में डीएड पक्ष की ओर से सरकार के विरुद्ध दाखिल किए गए कंटेम्प्ट केस की सुनवाई हुई। न्यायाधीश नरेंद्र कुमार व्यास ने कहा कि किसी की नौकरी छीनना किसी समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने सरकार को बीएड प्रशिक्षित नवनियुक्तों को वर्ग-2 में शिक्षक पद पर समायोजित करने का सुझाव देते हुए कहा कि ये चयनित हैं, मिडिल स्कूल में शिक्षण की योग्यता रखते हैं और इन्हें 1 वर्ष शिक्षण का अनुभव भी प्राप्त है।

जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बीएड प्रशिक्षितों को प्राथमिक के लिए योग्य नहीं माना है, लेकिन माध्यमिक स्कूलों में शिक्षण के लिए ये योग्य हैं। इन 2900 सहायक

शिक्षकों के प्रति सरकार की ज़िम्मेदारी है। सरकार के पास अपनी शक्तियां है, जिनका प्रयोग कर इनकी सेवा सुरक्षित रखी जा सकती है।

गौरतलब है कि 2 अप्रैल 2024 को हाईकोर्ट और 28 अगस्त 2024 को सुप्रीमकोर्ट के फैसले से लगभग 2900 बीएड प्रशिक्षित नवनियुक्त सहायक शिक्षकों की नौकरी ख़तरे में आ गई है। ये सभी सहायक शिक्षक बस्तर और सरगुजा सम्भाग के सुदूर अंचल में विगत एक वर्ष से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अप्रत्याशित रूप से नियमों में बदलाव की वजह से इन पर पदमुक्ति का ख़तरा मंडरा रहा है। सभी बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों ने पूर्व में भी वर्ग 2 (मिडिल) में समायोजन के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को विभिन्न शिक्षक संगठनों के माध्यम से ज्ञापन सौंपा है।

बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों का कहना है कि सहायक शिक्षकों को शिक्षक पद पर समायोजित कर दिया जाए, क्योंकि पूरी प्रक्रिया में अभ्यर्थियों का कोई भी दोष नहीं है। आज सभी 3000 शिक्षक सहित पूरे परिवार की आजीविका इसी नौकरी पर आश्रित है। मामले की अगली सुनवाई 28 नवम्बर को होगी। हाईकोर्ट ने सरकार को इन बिंदुओं पर विचार करने कहा है।

भगवान बिरसा मुण्डा जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस 14-15 को

- रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर में होगा राज्य स्तरीय भव्य आयोजन

रायपुर। भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 14 एवं 15 नवंबर को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर में राज्य स्तरीय भव्य आयोजन किया जाएगा। विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी कलेक्टरों, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और आदिम जाति विकास विभाग के सहायक आयुक्तों को सभी आवश्यक तैयारी करने निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में इस वर्ष जनजातीय गौरव दिवस को प्रदेश में व्यापक रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जनजातीय गौरव दिवस, आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान और बलिदानों को सम्मानित करने तथा आमजन एवं भावी नागरिकों को उनके बलिदान से प्रेरणा लेने के लिए मनाया जाता है। वर्ष 2021 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 15 नवंबर को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में इसे जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया था, तभी से प्रतिवर्ष 15 नवंबर को जनजातीय गौरव

दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। राज्य स्तर पर जनजातीय गौरव दिवस के व्यापक आयोजन के संबंध में प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियों को वीडियो कांफ्रेंसिग के माध्यम आयोजन की आवश्यक तैयारियों के संबध में निर्देशित किया गया है। श्री बोरा ने बताया कि जनजातीय गौरव दिवस का राज्य स्तरीय आयोजन 14 एवं 15 नवंबर को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर में होगा। कार्यक्रम आदिम जाति विकास विभाग एवं आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के मुख्य निर्देशन में किया जायेगा। श्री बोरा ने बताया कि कार्यक्रम का थीम %%सामाजिक, आर्थिक विकास, आजीविका एवं उद्यमिता, कला-संस्कृति एवं धरोहर, शिक्षा और कौशल विकास, स्वास्थ्य एवं जीवन शैली%% है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आदिवासियों के हितों का संरक्षण एवं संवर्धन करना है। इसमें राज्य के 17 विभाग और 25 योजनाओं को शामिल किया गया है। इस आयोजन में राज्य स्तर पर संचालन समिति के लिए प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है एवं क्रियान्वयन समिति मुख्यालय स्तर पर आयुक्त, आदिम जाति विकास की अध्यक्षता में 17 सदस्यीय क्रियान्वयन समिति का गठन किया गया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ एक आदिवासी बाहुल्य राज्य है जनगणना 2011 के अनुसार कुल जनसंख्या का लगभग 30.62 प्रतिशत आदिवासी निवास करते हैं। इसके अलावा राज्य में 43 प्रमुख जनजातियां एवं 162 उप जातियां हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से जनजातीय महापुरूषों के कार्यों तथा बलिदान के गौरवपूर्ण स्मरण के साथ ही आदिवासियों के हितों का संरक्षण एवं इन्हें प्रोत्साहित करने का अवसर मिलेगा। इस हेतु जिला स्तर पर भी कार्यकम आयोजित किये जाएंगे एवं राज्य स्तर पर भी वृहद रूप से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

शाहरुख खान को जान से मार दूंगा

धमकी देने वाले को पकड़ने रायपुर पहुंची मुंबई पुलिस

रायपुर। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के बाद अब शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी मिली है। शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी देने का मामला छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से जुड़ा है।

इस संबंध में मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 308 4, 351 3 4, के तहत शिकायत दर्ज की है। बताया जा रहा है कि मुंबई पुलिस की शुरुआती जांच में पता है कि जिस मोबाइल नंबर से फोन किया गया था, वो नंबर छत्तीसगढ़ के रायपुर के फैजान नाम के शख्स का है। फिलहाल इस मामले की तहकीकात करने के लिए मुंबई पुलिस रायपुर पहुंची है।

पुलिस की साइबर सेल की ओर से नंबर ट्रेस करने पर रायपुर का लोकेशन मिला है। दूसरी ओर इस मामले में पुलिस यह भी जानने की कोशिश कर रही है कि कहीं ये यह मामला शरारती तत्वों का तो नहीं है या फिर इसके पीछे कोई गहरी साजिश तो नहीं रची गई है। इन तमाम पहलुओं को लेकर पुलिस छानबीन कर रही है। फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि इस पूरे मामले में सच्चाई क्या है। इस घटना के बारे में रायपुर पुलिस को पहले ही मुंबई पुलिस ने जानकारी दी थी।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस फैजान को रिमांड पर लेकर मुंबई जाएगी और उससे पूछताछ करेगी। इससे पहले भी शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी मिल चुकी है, जिसके बाद उन्होंने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

मुख्यमंत्री ने गोपाल व्यास के अंतिम दर्शन में शामिल होकर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

- कहा-गृहस्थ रहते हुए भी महान संत थे गोपाल व्यास, उनका जाना अपूरणीय क्षति

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज पूर्व राज्यसभा सांसद स्वर्गीय श्री गोपाल व्यास जी के निधन पर पुरैना स्थित निवास पहुंचे और अंतिम दर्शन कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री श्री साय ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय श्री गोपाल व्यास जी के मंशानुरूप उनका पार्थिव शरीर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को दान किया जाएगा। इस दौरान राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस, विधायक श्री विक्रम उसेंडी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा श्री व्यास छत्तीसगढ़ राजनीति के पुरोधाओं में एक थे। वे 2006 से 2012 तक छत्तीसगढ़ राज्य

से राज्यसभा सांसद रहे। श्री व्यास जी गृहस्थ रहते हुए भी महान संत थे। उनकी सरलता और सादगी ने सभी को प्रभावित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने सदैव देश व समाज हित में कार्य किया। यह देश एवं प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री श्री साय ने व्यास जी के साथ बिताए दिनों को याद करते हुए कहा कि मुझे अनेक अवसरों पर उनके साथ कार्यक्रमों में शामिल होने का मौका मिला। सामान्यतः किसी कार्यक्रम का शुभारंभ हम फीता काट कर करते हैं, लेकिन व्यास जी कहते थे कि मुझे यह व्यक्तिगत रूप से अच्छा नहीं लगता। हमारा काम काटने का नहीं बल्कि जोडऩे का है। श्री व्यास जी के निधन पर मुख्यमंत्री ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने की कामना की ।

गोपाल व्यास के निधन पर किरण सिंह ने गहन शोक व्यक्त किया

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे और भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद गोपाल व्यास के देहावसान पर गहन शोक व्यक्त किया है। किरण सिंह देव ने कहा कि स्व व्यास का सम्पूर्ण जीवन त्याग, तपस्या, सिद्धांतों और भारतीय सांस्कृतिक जीवन मूल्यों के लिए समर्पित रहा। स्व गोपाल व्यास समूचे संघ-परिवार के लिए अनुकरणीय है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने व्यास-परिवार के प्रति अपनी गहन संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वैचारिक अधिष्ठान को आत्मसात कर आजीवन राष्ट्रीयता की अलख जगाने में जुटे रहे स्व. व्यास भाजपा के राज्यसभा सांसद रहते हुए राजनीतिक मर्यादा और सादगी का जो आदर्श प्रस्तुत किया है, वह सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए आकाश-दीप बनकर प्रेरणा प्रदान करेगा। उन्होंने परमपिता परमेश्वर से स्व. व्यास की आत्मा को चिरशांति व अपने चरणों में सुवास प्रदान करने की प्रार्थना की है।

आदिमजाति विभाग की प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री साय ने की प्रशंसा

रायपुर। अटल नगर नवा रायपुर स्थित पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी व्यावसायिक परिसर में आयोजित 24 वां राज्योत्सव में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की स्टॉल लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा है। राज्योत्सव प्रारंभ होने के साथ ही लोगों की भारी भीड़ आदिम जाति विकास विभाग की स्टॉल पर देखने को मिला। वहीं दूसरे दिन मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भी विभागीय स्टॉल का अवलोकन कर प्रशंसा की।

इस दौरान उन्होंने स्टॉल में बनाए गए सेल्फी जोन में परिवार संग एक फोटो भी खिचवाई। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने उनका अभिवादन करते हुए उन्हें प्रदर्शनी के थीम के बारे में विस्तार से बताया। उल्लेखनीय है कि विभागीय मंत्री श्री रामविचार नेताम के निर्देश के अनुसार इस बार की झांकी जनजातीय गौरव शौर्य और संस्कृति का बखान थीम पर बनाई गई थी।

प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा एवं सचिव सह आयुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा स्वयं पूरे स्टॉल की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। स्टॉल की खूबसूरती, जनजातीय शौर्य एवं जनजातीय संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इसे देखने पहुंच रहे थें। स्टॉल में स्वतंत्रता काल के दौरान छत्तीसगढ़ में हुए जनजातीय विद्रोहों की एक झलक दिखाई गई है, जो कि जनजातीय शौर्य को दर्शाती है। साथ ही जनजातीय समृद्ध संस्कृति को भी झांकी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा जनजातियों के परंपरागत आभूषणों एवं विभागीय योजनाओं को भी फ्लैक्स के माध्यम से बखूबी प्रदर्शित किया गया। साथ ही आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा जनजातीय क्षेत्र में किए गए शोध प्रकाशन को भी अवलोकन हेतु प्रदर्शित किया गया।

आलोचकों को गलत साबित कर दिया ट्रंप ने

महेंद्र वेद

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव विशाल अंतर से जीतकर घर और बाहर अपने आलोचकों को गलत साबित कर दिया है। ट्रंप की जीत का पहला संकेत ट्रंप विरोधी और कमला हैरिस समर्थक अखबार 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने दिया था। उसने ट्रंप की जीत की संभावना जाहिर की थी। दरअसल आखिरी एग्जिट पोल से भी नतीजे का अनुमान लगाया जाने लगा था, जिसमें 70 प्रतिशत अमेरिकियों ने माना था कि उनके अपने देश में लोकतंत्र खतरे में है। यह 'खतरा' ही बताने के लिए काफी था कि अमेरिकी मतदाता इस चुनाव को किस तरह से देख रहे हैं। अमेरिका का यह चुनावी नतीजा विश्व स्तर पर आये वैचारिक बदलाव को तो प्रतिबंबित करता ही है, यह परिणाम वैश्विक राजनीति के साथ-साथ अमेरिका की घरेलू राजनीति को भी गहरे तौर पर प्रभावित करेगा। दरअसल लोकतांत्रिक विश्व की राय अमेरिका के इस चुनाव के प्रति विभाजित थी। बौद्धिकों ने ट्रंप का विरोध और हैरिस का समर्थन किया था। लेकिन यह भी सच है कि दुनिया के अनेक देश ट्रंप को विजयी देखना चाहते थे। दुनियाभर के शेयर बाजारों के खुश होने की वजह यही है। अमेरिका के चुनावी नतीजे से यह भी साफ हुआ कि अमेरिकी मतदाता महिला राष्ट्रपति को स्वीकारने के लिए तैयार नहीं है, जो आधी अश्वेत हैं, और जिनकी जड़ें भारत और अफ्रीका में हैं। कमला हैरिस को नकार देने का एक संदेश यह है कि अश्वेत बराक ओबामा को चुना जाना तो ठीक था, लेकिन राष्ट्रपति के रूप में अश्वेत महिला स्वीकार्य नहीं है। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि अश्वेत लोगों का कानूनी और गैरकानूनी अप्रवासन चुनाव में एक बड़ा मुद्दा था। हालांकि इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि देर से चुनाव मैदान में उतरने के बावजूद कमला हैरिस ने कम समय में प्रभावी ढंग से चुनाव अभियान को संभाला। अमेरिकी मतदाताओं ने वोट देते हुए वैश्विक चलन का ही अनुसरण किया, जिसके तहत अमूनन आक्रामक और लोकप्रियतावादी राजनेताओं को चुना जा रहा है। ट्रंप ने इस चुनाव में अपने उन पारंपरिक वोटरों को लुभाने पर पूरा जोर लगा दिया था, जिन्होंने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में भी उनका समर्थन किया था, भले ही तब ट्रंप चुनाव हार गये थे। एक दूरदर्शी राजनेता की तरह ट्रंप ने अपने पारंपरिक वोटरों से लगातार समर्थन की अपील की थी। उनकी अपील का मतदाताओं पर असर पड़ा। शुरुआती नतीजे ने बताया है कि महत्वपूर्ण प्रांतों ने रिपब्लिकन गवर्नरों को चुना और यह पार्टी सीनेट में बहुमत हासिल करने के करीब है। इससे आने वाले दिनों में ट्रंप की स्थिति और मजबूत ही होगी और हैरिस और उनकी पार्टी के लिए मुश्किलें बढ़ेंगी। ट्रंप की जीत इस अर्थ में महत्वपूर्ण है कि इसने अमेरिका और दुनिया को विरोध, अनिश्चय और हिंसा से बचा लिया है। अगर इस बार का चुनावी नतीजा पिछले चुनाव की तरह होता, तो ट्रंप के समर्थक निश्चित तौर पर सड़कों पर उतर आते। यह भी साफ है कि ट्रंप ने लोगों की भावनाओं को भांप लिया था। अमेरिकी मतदाता मेक्सिको सीमा पर दीवार खड़ी करने के पक्ष में और देश से बाहर अपने सहयोगियों को खुश करने के लिए अपने पैसे का दुरुपयोग करने के खिलाफ थे। कमला हैरिस के नारों को लोगों ने नहीं स्वीकारा, जबकि अमेरिका को फिर से महान बनाने के ट्रंप के नारे को मतदाताओं ने हाथोंहाथ लिया। इससे पहले शायद ही किसी प्रत्याशी का अमेरिका में इतना विरोध हुआ, जितना कि ट्रंप का हुआ। इसके बावजूद ट्रंप जीते। यह भी देखने लायक है कि आलोचना के वावजूद ट्रंप ने अपना अंदाज और रवैया नहीं बदला। इस बार के चुनावी अभियान में भी उनकी आक्रामकता जारी रही थी। हालांकि आने वाले दिनों में ट्रंप कौन-कौन से कदम उठाते हैं, इस बारे में इंतजार करना होगा। रूस से भयभीत यूरोप ज्यादा से ज्यादा अमेरिकी धन और हथियार चाहते हैं। यह देखना होगा कि ट्रंप आने वाले दिनों में यूरोप में शांति बहाली की दिशा में काम करते हैं, या फिर शक्तिशाली हथियार लॉबी के आगे झुक जाते हैं। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद अमेरिका ने 64।1 अरब डॉलर से भी अधिक सैन्य मदद की। बाइडेन प्रशासन ने रूस के खिलाफ पैसे और हथियार कुछ अपनी इच्छा से बांटे और कुछ यूरोप के दबाव में। देखना होगा कि ट्रंप के दौर में यह सिलसिला जारी रहता है या नहीं।

महाराष्ट्र भी कहीं चल न पड़े हरियाणा की राह

उमेश चतुर्वेदी

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों में महाविकास अघाड़ी के हाथों मिली महायुति को शिकस्त के चलते यह उम्मीद लगाना बेमानी नहीं है कि कुछ ऐसे ही नतीजे विधानसभा चुनावों में भी आ सकते हैं। चूंकि लोकसभा चुनाव बीते ज्यादा वक्त नहीं बीता है, लिहाजा माना जा रहा है कि राज्य के मतदाताओं के मिजाज में बहुत बदलाव नहीं आया है। हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को लेकर कुछ ऐसी ही उम्मीद जताई जा रही थी। लेकिन नतीजे उम्मीदों के ठीक उलट रहे। हरियाणा का नतीजा गवाह है कि अतीत की बुनियाद पर लड़े जाने के बाद अगले चुनाव के नतीजे उम्मीदों के मुताबिक नहीं हो सकते। इसकी वजह नाकाम रहने वाली राजनीति की अपनी गलतियां भी हो सकती हैं और सफल होने वाली राजनीति की रणनीति भी।

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के प्रमुख दल जिस तरह आपसी खींचतान में मसरूफ हैं, उसकी वजह से अघाड़ी खेमे में आशंका जताई जाने लगी है कि महाराष्ट्र भी कहीं हरियाणा न बन जाए ! इस सोच की वजह बन रही है महाविकास अघाड़ी की अंदरूनी खींचतान। कांग्रेस और एनसीपी के सहयोग से मुख्यमंत्री रह चुके उद्धव ठाकरे खुद को स्वाभाविक रूप से अघाड़ी का अगुआ मान रहे हैं। लेकिन अंदरखाने में अपने दल को आगे रखने की हर गोटी फिट कर रहे स्थानीय कांग्रेस नेतृत्व की कोशिश खुद को आगे रखने की है। गठबंधन में अपने दल को आगे रखना गलत नहीं है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसा किस कीमत पर हो रहा है?

हकीकत तो यह है कि कांग्रेस कुछ वैसा ही कदम उठाने की सोच रही है, जैसा उसने 2005 के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद उठाया था। तब एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा था और नतीजों में ज्यादा सीटें एनसीपी ने जीती थीं। लेकिन कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पद पर ना सिर्फ दावा ठोक दिया था, बल्कि विलासराव देशमुख को मुख्यमंत्री भी बनवा लिया था। जबकि ज्यादा सीटें हासिल करने के बावजूद एनसीपी सहयोगी की भूमिका में रह गई थी। अव्वल तो कांग्रेस इस बार ऐसी चालें चल रही हैं, ताकि उसके सबसे ज्यादा विधायक चुनाव जीतें। अगर ऐसा होगा तो उसके लिए मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोकना और उसे हासिल करना आसान होगा। लेकिन ऐसा नहीं भी हुआ तो वह 2004 को दोहराना चाहेगी। इस पूरी प्रक्रिया में कांग्रेस के स्थानीय नेतृत्व की कोशिश उद्धव ठाकरे को दौड़ में पीछे छोड़ना है। कांग्रेस अपने चुनाव अभियान में शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी का खयाल तो रख रही है, लेकिन शिवसेना-उद्धव के साथ वैसा तालमेल नहीं दिखा पा रही है।

शरद पवार कांग्रेस से निकले हुए ही नेता हैं। उनकी वैचारिक धारा कांग्रेसी सोच के ही इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों दलों की राजनीतिक सोच ही नहीं, जमीन भी एक ही है। जबकि शिवसेना-उद्धव की राजनीतिक जमीन ही नहीं, सोच भी अलग है। उद्धव के वोटरों और कांग्रेस के वोटरों का मिजाज और जमीन भी अलग-अलग है। पिछले लोकसभा चुनाव में अगर राज्य की 48 सीटों में से 13 पर कांग्रेस काबिज होने में कामयाब रही तो इसकी बड़ी वजह एनसीपी के वोटरों का सहयोग नहीं, बल्कि शिवसेना-उद्धव के वोटरों का साथ रहा। कांग्रेस के एक केंद्रीय नेता आपसी बातचीत में इस तथ्य को खुलकर स्वीकार भी करते हैं। वैसे भी समान वैचारिक राजनीतिक बुनियाद के चलते एनसीपी के प्रभाव वाले इलाकों में कांग्रेस और इसी तरह कांग्रेस के प्रभाव वाले इलाकों में एनसीपी ने अपने उम्मीदवार नहीं उतारे। हकीकत यही है कि कांग्रेस और उद्धव या फिर एनसीपी और उद्धव के वोटरों के मिलन ने महाराष्ट्र की राजनीति में नई इबारत लिखी। लेकिन कांग्रेस का स्थानीय नेतृत्व इसे समझ नहीं रहा, बल्कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के धड़े को ज्यादा तवज्जो दे रहा है।

इस बीच शरद पवार ने इस चुनाव के बाद राजनीति से संन्यास के संकेत दे दिए हैं। वैसे माना जा रहा है कि यह उनका जज्बाती दांव भी हो सकता है। माना जा रहा है कि संन्यास के संकेत के जरिए शरद मतदाताओं को संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके आखिरी चुनाव में उन्हें मौका दें। इसके जरिए वे एक तरफ वोटरों की हमदर्दी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी तरफ वे अजित पवार के खेमे को शिकस्त देने की कोशिश कर रहे हैं। एक बारगी मान भी लें कि पवार इस चुनाव के बाद राजनीति से संन्यास ले ही लेंगे तो यह सवाल लाजमी है कि उनके बाद एनसीपी का क्या होगा। पवार चाहेंगे कि उनके बाद उनकी बेटी सुप्रिया सुले ही पार्टी की कमान संभालें। लेकिन ऐसा होना आसान नहीं लगता। शरद के बाद पार्टी का बड़ा हिस्सा अजित पवार की ओर दौड़ लगा सकता है। जिसकी बात अजित से नहीं बनेगी, वह मजबूरीवश कांग्रेस की ओर जा सकता है। शायद एक वजह यह भी है कि महाराष्ट्र कांग्रेस का स्थानीय नेतृत्व उद्धव की बजाय शरद पवार की एनसीपी के साथ खुद को ज्यादा सहज महसूस कर रहा है।

महाविकास अघाड़ी में इस वजह से अंदरूनी खींचतान बढ़ी हुई है। वोटरों का एक बड़ा इसे समझ भी रहा है। ऐसे में मतदान के दिन वोटरों का एक बड़ा अपना मन बदल ले और सत्ताधारी महायुति की ओर हाथ बढ़ा दे तो उसकी कीमत महाविकास अघाड़ी को ही चुकानी पड़ेगी। इस तथ्य को महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेनिथला गहराई से महसूस कर रहे हैं। इसलिए वे महाराष्ट्र की कांग्रेसी राजनीति को लंबे समय तक संभाल चुके नेताओं का सहयोग हासिल करने के लिए कांग्रेस आलाकमान से गुहार लगा रहे हैं। ताकि हरियाणा जैसे नतीजों से बचा जा सके।

वैसे कांग्रेस को उद्धव ठाकरे के स्वभाव को भी नहीं भूलना चाहिए। 2019 के विधानसभा चुनावों में उद्धव ठाकरे ने बीजेपी के साथ चुनाव लड़ा था। तब शिवसेना की सीटें कम आई थीं। इसके बावजूद वे मुख्यमंत्री बनने पर अड़ गए। जिसकी वजह से गठबंधन टूटा और शरद पवार के प्रयासों से उद्धव को हाथ का साथ मिला और उद्धव मुख्यमंत्री बनने में कामयाब रहे। ऐसे में यह मान लेना कि अगर कांग्रेस की ज्यादा सीटें आई तो उसका ही मुख्यमंत्री बनेगा, गलत होगा। उद्धव खुद को ही मुख्यमंत्री के रूप में आगे करने से नहीं हिचकेंगे। जिस पद के लिए उद्धव को बीजेपी से दशकों पुराना गठबंधन तोड़ने में हिचक नहीं हुई, उसी पद के लिए भला वे कांग्रेस को कैसे वाकओवर दे देंगे। महाविकास अघाड़ी में एनसीपी-शरद ऐसा दल है, जिसे हर हाल में सत्ता चाहिए। एनसीपी को दो नंबर की पार्टी होने पर भी इसके लिए एतराज नहीं होगा। वैसे शरद के लिए फिलहाल पार्टी को बचाए रखना बड़ी चुनौती होगी।

महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव नतीजों के हिसाब से देखें तो महाविकास अघाड़ी को 288 सदस्यीय विधानसभा में 153 सीटों पर बढ़त हासिल हुई थी, जबकि महायुति को 126 सीटों पर बढ़त मिली। संख्या के लिहाज से यह अंतर ज्यादा लगता है। लेकिन विधानसभा चुनावों के चरित्र के लिहाज से देखें तो यह अंतर बड़ा नहीं है। आपसी राजनीतिक खींचतान और गठबंधन के अविश्वास इस अंतर को पाटने के सहयोगी औजार बन सकते हैं। फिर बीजेपी मराठा बनाम अन्य के लिहाज से जातीय समीकरण बनाने की कोशिश में जुटी हुई है। ऐसे में अगर वह हरियाणा की तरफ फिर से बाजी मार ले तो हैरत नहीं होगी। महाविकास गठबंधन की आपसी खींचतान, कांग्रेस की अंदरखाने में उद्धव पर वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश बीजेपी को अपना लक्ष्य हासिल करने में मददगार हो सकती है। महाराष्ट्र की राजनीति समझने वाले जानकार इस खींचतान और इसके भावी नतीजों को भांप भी रहे हैं। यह कहना मुश्किल है कि कांग्रेस का नेतृत्व इस तथ्य को समझ रहा है या नहीं।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

जैसा कि देवी भागवत में लिखा है:- द्वापरे द्वापरे विष्णुर्व्यासरूपेण सर्वदा। वेदमेकं स बहुधा कुरुते हितकाम्यया।। अल्पायुषोऽल्पबुद्धींश्च विप्राज्ञात्वा कलावथ। पुराणसंहितां पुण्यां कुरुतेऽसौ युगे युगे।।

द्वापरे प्रथमे व्यस्ताः स्वयं वेदाः स्वयम्भुवा। प्रजापतिद्वितीये तु द्वापरे व्यासकार्यकृत्।। तृतीये चोशना व्यासश्चतुर्थे तु बृहस्पतिः। पञ्चमे सविता व्यासः षष्ठे मृत्युस्तदापरे।। मघवा सप्तमे प्राप्ते वशिष्ठस्त्वष्टमे स्मृतः। सारस्वतस्तु नवमे त्रिधामा दशमे तथा।। एकादशेऽथ त्रिवृषो भारद्वाजस्ततः परम्। त्रयोदशे चान्तरिक्षो धर्मश्चापि चतुर्दशे।। त्रय्यारुणिः पञ्चदशे षोडशें तु धनञ्जयः। मेधातिथिः सप्तदशे व्रती ह्यष्टादशे तथा।। अत्रिरेकोनविंशे च गौतमस्तु ततः परम्। उत्तमश्चैकविंशेऽथ यामा परिकीर्तितः।। वेनो वाजश्रवाश्चैव सोमोऽमुष्यायणस्तथा। तृणविन्दुस्तथा व्यासो भार्गवस्तु ततः परम्।। ततः शक्तिर्जातुकर्ण्यः कृष्णद्वैपायनस्ततः। अष्टाविंशतिसंख्येयं कथिता या मया श्रुता।। एकोनत्रिंशत्संप्राप्ते द्रौणिर्व्यासो भविष्यति। (देवीभागवत 1 ।3 ।18-33)

अर्थात्- प्रत्येक द्वापर में विष्णु भगवान् व्यासरूप धारण करके मनुष्यों के हितार्थ विकीर्ण श्रुतिसमुदायात्मक एक वेद को संहिता रूप विभागों में संकलित करते हैं। कलियुगी मनुष्यों को थोड़ी आयु और थोड़ी बुद्धिः वाले जान कर वही व्यास प्रत्येक द्वापर में पवित्र पुराण संहिता का भी सङ्कलन करते हैं। पहिले द्वापुर में स्वम्यभू व्यास ने, दूसरे में प्रजापति ने, तीसरे में उशना ने, चौथे में बहस्पति ने, पाँचवें में सविता ने, छठे में मृत्यु ने, सातवें में मघवा दें, आठव में वशिष्ठ ने, नवें में सारस्वत ने, दशवें में त्रिषामा ने, ग्यारहवें में त्रिवर्ष ने, बारहवें में भरद्वाज ने, तेरहवें में अन्तरिक्ष ने, चौदहवों में धर्म ने, पंद्रहने में त्रय्यारुणि ने, सोलहवें में धनञ्जय ने,

क्रमशः ...

दासीपुत्र विदुर को क्यों कहते हैं धर्मावतार?

आशुतोष गर्ग

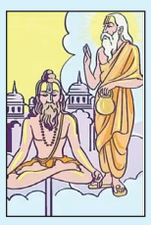

प्राचीन काल में मांडव्य नाम के एक सिद्ध ऋषि हुए, जो अधिकांश समय अपने आश्रम में तपस्या करते थे। एक बार मांडव्य ऋषि मौन व्रत धारण कर साधना में लीन हो गए। उसी बीच कुछ लुटेरे, राजमहल से सामान लूटकर भाग रहे थे। राजा के सिपाही उनका पीछा कर रहे थे। लुटेरे भागते हुए आश्रम के पास से निकले। सिपाही निकट आ गए थे और लुटेरों को पकड़े जाने का डर था। इसलिए उन्होंने लूट का सारा माल चुपचाप आश्रम में छिपा दिया और भाग गए। इसी बीच लुटेरों को खोजते हुए सिपाही भी मांडव्य के आश्रम तक आ गए।

एक सिपाही ने ऋषि से पूछा, 'कुछ लुटेरे महल से सामान लूट कर भागे हैं। वे किधर गए हैं?' परंतु मांडव्य ने मौन व्रत धारण किया था। इसलिए उन्होंने उत्तर नहीं दिया। सिपाहियों ने आश्रम की तलाशी ली, तो उन्हें राजा का धन मिल गया। सिपाहियों ने समझा कि मांडव्य ने ही चोरी की है, इसलिए वे ऋषि को पकड़कर राजा के सामने ले गए। राजा ने मांडव्य को मृत्युदंड दे दिया। राजाज्ञा से मांडव्य को शूली पर चढ़ा दिया गया। मांडव्य, भूखे-प्यासे कई दिन तक शूली पर लटके रहे, किंतु आध्यात्मिक बल के कारण उनकी मृत्यु नहीं हुई। जब कई दिनों के बाद भी मांडव्य के प्राण नहीं निकले, तो अनेक ऋषिगण वहां आए और उन्होंने मांडव्य की स्थिति पर दुख प्रकट करते हुए उनका हाल पूछा। मांडव्य बोले, 'मैं इसके लिए किसे दोषी मानूं? यह मेरे ही किसी अपराध का फल है।

राजा के पहरेदारों ने देखा कि कई दिन तक शूली पर चढ़ाए जाने के बाद भी ऋषि की मृत्यु नहीं हुई थी, तो उन्होंने यह बात राजा को बताई। राजा समझ गया कि मांडव्य अवश्य ही कोई सिद्ध तपस्वी हैं और उन्हें शूली पर चढ़ाकर उन्होंने भूल की है। राजा तत्काल मांडव्य के पास गया और उसने उन्हें शूली पर से नीचे उतारा। फिर राजा ने ऋषि से अपने अपराध के लिए क्षमा मांगी। मांडव्य ने राजा को क्षमा कर दिया। परंतु एक नई समस्या खड़ी हो गई। ऋषि को शूली से नीचे उतारने के बाद भी शूल की नोंक शरीर से बाहर नहीं निकल पाई और उसे काटना पड़ा। इसके फलस्वरूप, शूल की नोंक ऋषि के शरीर में ही गढ़ी रह गई। बाद में मांडव्य ने धर्मराज से अपने कष्ट का कारण पूछा, तो धर्मराज बोले, 'आपने बचपन में एक कीट की पूंछ में सींक गड़ा दी थी। आपको उसी अपराध का फल मिला है। जिस तरह थोड़े-से दान का कई गुना फल मिलता है, उसी तरह छोटे-से अधर्म का फल भी कई गुना होकर मिलता है। यह सुनकर मांडव्य ने कहा, 'आपने मुझे बचपन में किए छोटे-से अपराध का इतना बड़ा दंड दिया है। यह अन्याय है। इसलिए मैं आपको मनुष्य योनि में जन्म लेकर शूद्र होने का शाप देता हूं। बालक के अपराध को अधर्म नहीं कहा जा सकता, क्योंकि कम आयु में उसे धर्म-अधर्म का ज्ञान नहीं होता। मैं आज कर्म-फल की मर्यादा स्थापित करता हूं। चौदह वर्ष की अवस्था तक किए कर्मों का पाप नहीं लगेगा, लेकिन उसके बाद के कर्मों का फल अवश्य मिलेगा।' मांडव्य द्वारा दिए गए इसी शाप के कारण धर्मराज ने मनुष्य योनि में कुरु वंश में जन्म लिया और दासीपुत्र विदुर कहलाए। परंतु धर्मराज का अवतार होने के कारण विदुर को धर्मशास्त्र का विलक्षण ज्ञान था।

ट्रंप की जीत से दुनिया पर क्या बड़ा फर्क पड़ने वाला है?

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव जीत कर डोनाल्ड ट्रंप ने वो कर दिखाया है जो इससे पहले कोई अमेरिकी नेता नहीं कर सका था। ट्रंप चार साल व्हाइट हाउस से बाहर रहे। तमाम मुकदमे झेले, कोर्टों के चक्कर लगाये, चुनाव प्रचार के दौरान खुद पर गोली झेली। हम आपको याद दिला दें कि चुनाव प्रचार की शुरुआत में जानलेवा हमले में ट्रंप बाल-बाल बचे थे। उस समय गोली उनके कान को छूकर निकल गयी थी लेकिन अमेरिका को महान बनाने का संकल्प लेकर ट्रंप ने लोगों का समर्थन मांगा और उन्हें भरपूर समर्थन मिल भी गया। ट्रंप पिछला चुनाव करीबी मुकाबले में हार गये थे लेकिन इस बार उन्होंने अच्छे अंतर से चुनाव जीत कर साबित कर दिया है कि जनता का विश्वास उनके साथ है। ट्रंप के रहते आतंकवादी और उनके आका अपने बिल से बाहर निकलने का साहस नहीं जुटा पाते थे लेकिन पिछले चार सालों में दुनिया में आतंक बढ़ा और अमेरिका के समक्ष भी तमाम नई चुनौतियां खड़ी हुईं। उम्मीद है कि अब ट्रंप के कड़े रुख के चलते आतंकियों, उनके मददगारों और अमेरिकी जनता से पैसे ऐंठ रहे देशों की मौज-मस्ती खत्म होने होगी।

इस चुनाव की खास बात यह भी रही कि अमेरिका में भी चुनाव सर्वेक्षण विफल साबित हुए हैं। पहले सबने अनुमान लगाया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में बहुत कांटे की टक्कर रहने वाली है और इस बार का चुनाव अमेरिकी इतिहास में सबसे करीबी मुकाबले के रूप में देखा जायेगा। लेकिन ट्रंप की निर्णायक जीत ने सारे चुनाव पूर्व अनुमानों को गलत साबित कर दिया है। इसके अलावा, कमला हैरिस को जिस तगड़े चुनाव प्रचार के बावजूद करारी हार झेलनी पड़ी उससे यह अनुमान भी सहज ही लगाया जा सकता है कि यदि ट्रंप के मुकाबले जो बाइडन मैदान में उतरे होते तो उन्हें कितनी तगड़ी हार झेलनी पड़ती।

दुनिया के लिए क्या होंगे ट्रंप की जीत के मायने, अगर इस पर बात करें तो आपको बता दें कि अब मध्य-पूर्व में जारी जंग और यूक्रेन-रूस युद्ध खत्म होने के आसार बढ़ सकते हैं क्योंकि ट्रंप ने जीत के बाद भी कहा है कि वह युद्ध नहीं चाहते। इसके अलावा, विदेश से सभी सामानों के आयात पर 20 प्रतिशत सार्वभौमिक शुल्क लगाने की ट्रंप की योजना है। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान चेतावनी दी थी कि चीन पर 60 प्रतिशत से लेकर 200 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। हालांकि यह इससे ज्यादा भी हो सकता है। इन कदमों से मुद्रास्फीति बढ़ने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचने की आशंका है। साथ ही ऐसे कदमों से प्रतिशोध, व्यापार युद्ध और वैश्विक अर्थव्यवस्था तहस-नहस होने का भी अंदेशा है।

इसके अलावा, अब यह भी देखना होगा कि मित्र देशों को शत्रु देशों से बचाने की अमेरिकी प्रतिबद्धता का क्या होता है। हम आपको बता दें कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य होने के नाते इसके अन्य सदस्यों की मदद के लिए आगे आना अमेरिका का दायित्व है। नाटो के अनुच्छेद पांच के अनुसार यदि कोई देश किसी नाटो सदस्य पर हमला करता है तो वह सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है। अमेरिका ने जापान और दक्षिण कोरिया के साथ भी ऐसी ही संधियां कर रखी हैं। अमेरिका के नेतृत्व में नाटो ने रूस से जारी युद्ध में यूक्रेन को सैन्य और आर्थिक सहायता प्रदान की है। इसके विपरीत ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह यूक्रेन को दी जा रही मदद रोक देंगे और कीव पर दबाव बनाएंगे कि वह रूस की शर्तों के अनुसार शांति प्रक्रिया अपनाए। ट्रंप बड़े-बड़े संगठनों को ताकत व प्रभाव दिखाने के मंच के रूप में देखने की बजाय खतरे की वजह और बोझ मानते हैं। हम आपको याद दिला दें कि अपने पिछले कार्यकाल में ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अमेरिका को बाहर कर लिया था।

इस तरह की रिपोर्टें हाल में देखने को मिली हैं कि अमेरिका के कई पूर्व अधिकारियों को संदेह है कि ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिका को नाटो से निकालने की कोशिश करेंगे या समर्थन कम करके नाटो की प्रभावशीलता को कमतर कर देंगे। वहीं एशिया महाद्वीप की बात की जाए तो ट्रंप ने हाल में कहा था कि ताइवान को अमेरिका की ओर से मिल रही सुरक्षा के लिए भुगतान करना चाहिए। ट्रंप की इस टिप्पणी से यह संकेत मिलता है कि ताइवान की रक्षा के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता कमजोर हो सकती है।

इसके अलावा, इस तरह की रिपोर्टें भी सामने आई हैं कि अमेरिका में आंतरिक व्यवस्था में भी अब बदलाव देखने को मिल सकता है। हम आपको बता दें कि अमेरिका में दक्षिणपंथ की ओर झुकाव रखने वाले एक थिंकटैंक ने 'प्रोजेक्ट 2025' तैयार किया है। अगर डोनाल्ड ट्रंप यह प्रोजेक्ट लागू करते हैं तो नौकरशाही में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इस प्रोजेक्ट के लागू होने पर संविधान के प्रति निष्ठा रखने वाले 50 हजार अधिकारियों को हटाकर उनकी जगह ट्रंप के प्रति वफादार अधिकारियों को नियुक्त किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन न्याय, ऊर्जा और शिक्षा विभाग के साथ-साथ एफबीआई और फेडरल रिजर्व जैसी असंख्य संघीय एजेंसियों को भंग कर सकता है और अपने नीतिगत एजेंडे को लागू करने के लिए कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल कर सकता है।

जहां तक भारत के साथ अमेरिका के संबंधों की बात है तो इसमें किसी बड़े बदलाव की उम्मीद करना बेमानी होगा। ट्रंप के साथ व्यापार और आव्रजन को लेकर बातचीत में कठिनाइयां सामने आ सकती हैं हालांकि कई अन्य मुद्दों पर उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संबंध बहुत अच्छे हैं। इसके अलावा, ट्रंप जानते हैं कि भारत अगले 20-30 वर्षों में किसी समय दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा इसलिए वह इसकी अनदेखी करने का जोखिम नहीं उठाएंगे। ट्रंप की जीत के तत्काल बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई देते हुए ट्वीट करते हुए कहा है कि मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप को ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा कि जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए तत्पर हूं। प्रधानमंत्री ने बधाई संदेश के साथ ट्रंप और अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि अमेरिका ने 1776 में अपनी स्थापना के समय से ही लोकतंत्र के माध्यम से दुनिया को आकर्षित एवं प्रेरित किया है। हालांकि, इस समय लोकतंत्र पर जो खतरा मंडराता दिख रहा था, वैसा खतरा पहले कभी नहीं देखा गया था। चुनाव परिणाम दर्शाते हैं कि कराधान, आव्रजन, गर्भपात, व्यापार, ऊर्जा और पर्यावरण नीति तथा दुनिया में अमेरिका की भूमिका समेत कई मामलों पर अमेरिकी मतदाता बहुत हद तक विभाजित दिखे।

आज का इतिहास

1895 जर्मनी के भौतिक शास्त्री के. रॉंगटन ने एक्सरे की खोज की।
1900 थिओडोर ड्रेइजर का उपन्यास बहन कैरी प्रकाशित हुआ।
1911 अंहुइ प्रांत की विधायिका ने इंपीरियल चीन से अलग होने का मतदान किया।
1916 जापानी निर्माता एनएसके लिमिटेड को औद्योगिक बीयरिंग बनाने की मंजूरी मिली।
1923 एडोल्फ हिटलर ने म्यूनिख में सत्ता हासिल करने का प्रयास किया। हालांकि, ऐसा करने में उनकी विफलता के कारण उनकी गिरफ्तारी हुई और उन पर विश्वासघात का आरोप लगाया गया।
1935 एक बड़ा तूफान बहमास से होकर गुज़रा, जो कि राजधानी नासाउ से टकराता है। इस तूफान ने पहले मियामी और फ्लोरिडा में हमला किया था और 3 मिलियन डॉलर की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया था।
1940 ग्रीस के इतालवी आक्रमण विफल हो गए क्योंकि गिने चुने यूनानी लोगों ने इलैया-कलामास की लड़ाई में इटालियंस को पीछे धकेल दिया।
1945 हांगकांग में नौका दुर्घटना में 1550 लोगों की मौत हुई।
1965 वियतनाम युद्ध-इन गैंग टोई की लड़ाई में, दोनों पक्षों के बीच शुरुआती लड़ाई में से एक, वियत कांग बलों ने एक ऑस्ट्रेलियाई हमले को दोहरा दिया।
1965 ब्रिटेन में हत्या के लिए मृत्युदंड की सजा को समाप्त किया गया।
1966 अभिनेता रोनाल्ड रीगन कैलिफोर्निया के गवर्नर चुने गए।
1967 बीबीसी का पहला स्थानीय रेडियो स्टेशन (बीबीसी रेडियो लीसेस्टर) शुरू किया गया है।
1988 चीन में विनाशकारी भूकंप से 900 लोगों की मौत हुई।
1990 मैरी रॉबिन्सन को आयरलैंड की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है।
1990 मैरी रॉबिन्सन रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड की प्रथम महिला राष्ट्रपति चुनी गई।
1992 जर्मनी की राजधानी बर्लिन में नस्लवाद के खिलाफ हुए प्रदर्शन में तीन लाख लोगों ने हिस्सा लिया।
1998 बांग्लादेश में देश के प्रथम प्रधानमंत्री शेखमुजीबुर्रहमान की हत्या में 15 लोगों को मृत्युदंड दिया गया।
2012 अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इस महीने बर्मा जाने के अपने उद्देश्य की घोषणा की। इससे वह देश का दौरा करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बन जाएंगे।

झारखंड पहुँचा 'बंटोगे तो कटोगे' का नारा- कितना होगा असर

मृत्युंजय दीक्षित

बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ से त्रस्त झारखंड राज्य के लिए वर्ष 2024 का विधानसभा चुनाव बहुत ही महत्वपूर्ण है। समृद्ध खनिज भंडार वाले इस राज्य की जनसांख्यकी (डेमोग्राफी) में विगत वर्षों में बड़ा असुंतलन व्याप्त हो गया है और पहली बार भारतीय जनता पार्टी ने इस विषय को ही अपना चुनावी विषय बनाया है। साथ ही परिवारवाद व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भ्रष्टाचार के काले कारनामे भी हवा में तैर रहे हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम आने के पूर्व राज्य में एक अलग तरह का वातावरण था क्योंकि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही हरियाणा के चुनाव परिणामों की प्रतीक्षा कर रहे थे। हरियाणा का चुनाव परिणाम आ जाने के बाद देश का राजनैतिक वातावरण एकदम से बदल गया। झारखंड और महाराष्ट्र सहित जहां-जहां विधानसभा उपचुनाव होने जा रहे हैं सभी जगह एनडीए और इंडी दोनों गठबंधनों का गणित बदल गया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नारा बंटेंगे तो कटेंगे हरियाणा से होता हुआ बांग्लादेश और कनाडा तक पहुंच गया है। भारतीय जनता पार्टी के नये नारे का प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है जिसके कारण जाति के आधार पर हिंदू समाज को विभाजित कर सत्ता हथियाने वाले विपक्षी दलों के चेहरे पर तनाव व्याप्त हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नये नारे की लोकप्रियता इसी बात से समझी जा सकती है कि झारखंड से लेकर महाराष्ट्र तक उनके नारे के साथ पोस्टर लगाये जा रहे हैं। झारखंड में 10 बुलडोजरों के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया।

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी पहली बार इतनी आक्रामकता के साथ हिंदुत्व की बात करते हुए चुनाव प्रचार कर ही है जिसका नेतृत्व असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा व केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के हाथ में है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता जो अपने राज्य असम में बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या से जूझ रहे हैं ने अपनी चुनावी जनसभाओं में इसे बहुत ही आक्रामक ढंग से उठाया है और वे स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि यह चुनाव किसी विधायक को चुनने का नहीं है अपितु अपना अस्तित्व बचाने का है। जब हम हिंदू बचे रहेंगे तभी तो आपना विधायक और सांसद चुन सकेंगे, अपनी सरकार चुन सकेंगे। मुख्यमंत्री हिमंता का कहना है कि देश के हर कोने में जहां- जहां बाबर बसे हैं उन्हें ढूंढ ढूंढकर देश से भगाया जाएगा।

राज्य में भारतीय जतना पार्टी ने माटी, रोटी और बेटी बचाने का संकल्प लिया है और समाज की चार जातियों महिला, किसान, युवा और गरीब जनता के लिए वादों का पिटारा खोलते हुए उत्तराखंड व गुजरात की तरह राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने का निश्चय व्यक्त किया है। जबकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कहना है कि वह किसी भी कीमत पर समान नागरिक संहिता लागू नहीं होने देंगे। आज झारखंड राज्य की जो दयनीय स्थिति हो गई है उसके पीछे हेमंत सोरेन सरकार का परिवारवाद, उससे पनपा अथाह भ्रष्टाचार और फिर मुस्लिम तुष्टिकरण ही तीन प्रमुख कारण हैं। राज्य का हिंदू व आदिवासी समुदाय तो ईसाई मतांतरण व मुस्लिम लव जिहाद, लैंड जिहाद के जाल में फंसकर अल्पमत में आता जा रहा है। राज्य में मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण हालात यह हो गये हैं कि झारखंड में 100 से अधिक सरकारी स्कूलों में रविवार का अवकाश ही समाप्त कर दिया गया और मुस्लिम बहुल इलाकों के सरकारी स्कूलों में हिंदू बच्चों से कहा गया कि आप हाथ जोड़ कर

प्रार्थना मत करिये, यहां पर हाथ जोड़ने वाली परम्परा हटा दी गई हैं क्योकि हिंदू अल्पसंख्यक हैं। देश के कुछ अन्य हिस्सों की तरह ही झारखंड में भी हिंदू पर्वों पर मुसलमानों द्वारा हमलों की बाढ़ सी आ जाती है। झारखंड की जनता 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह न देख पाए इसलिए मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए जानबूझकर कई जिलों में बिजली सप्लाई तक बाधित कर दी गई थी। राज्य में लव जिहाद के कई क्रूर प्रकरण हिंदू संगठनों की सक्रियता के कारण मीडिया में आ गए किंतु राज्य सरकार हर घटना को दबाती रही।

अब झारखण्ड की राजनीति बदलने के लिए हिमंता और शिवराज के साथ यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभाओं का आरम्भ हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी की रैलियों ने वातावरण में जोश भर दिया है। पीएम मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि झारखण्ड विधानसभा चुनावों में इस बार बांग्लादेशी घुसपैठ के साथ ही रोटी -बेटी और माटी के साथ-साथ नोटों के पहाड़ का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया जाएगा। झारखंड की जनसभाओं में प्रधानमंत्री मोदी ने परिवारवाद, भ्रष्टाचार, घुसपैठ और आदिवासियों के मुद्दे पर हेमंत सोरेन पर जमकर प्रहार किया। पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के साथ जो व्यवहार किया गया वह भी बीजेपी की जनसभाओं में जनता को याद दिलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर अपने चुनावी हलफनामे में अपनी उम्र को लेकर गलत जानकारी देने का आरोप लग चुका है तथा बीजेपी की ओर से उनका नामांकन रद्द करने तक की मांग गई थी।

झारखंड में कमल खिलाने में एक और व्यक्ति जिसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी वो हैं उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो अपनी जनसभाओं में फुल फॉर्म में दिखाई दिए हैं। प्रचार के आरम्भ में ही उन्होंने कहाकि अपनी ताकत का एहसास कराइए जातियों में बंटना नहीं है जाति के नाम पर कुछ लोग बांटेंगे लेकिन आप लोग एक रहिए नेक रहिए। मुख्यमंत्री योगी ने सोरेन सरकार में मंत्री रहे आलमगीर आलम के घर से भारी मात्रा में कैश बरामद होने पर उनकी तुलना औरंगजेब से करी और कहा कि औरंगजेब ने देश को लूटा था मंदिरों को नष्ट किया था, उसी तरह झारखंड मुक्ति मोर्चे का एक मंत्री था जिसका नाम था आलमगीर। आलमगीर आलम जिसके घर से नोटों की गड्डियाँ मिली थीं।

आजकल बांग्लादेश से लेकर कनाडा तक हिंदुओं के मदिरों व उनके पर्वों को निशाना बनाते हुए उन पर हमले किये जा रहे हैं। इन हमलों को संज्ञान में लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समग्रता के साथ अपील कर रहे हैं कि अपनी ताकत का अनुभव करवाइए, जातियों में बंटना नहीं है जाति के नाम पर कुछ लोग आपको बांटेंगे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से कांग्रेस व विपक्ष यही काम करती आ रही है। ये लोग बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या आदि को बुला रहे हैं जो एक दिन आपको घर के अन्दर घंटी और शंख भी नहीं बजाने देंगे। इसलिए एक रहिए नेक रहिए। मैं तो कहता हूं कि जब भी बटे हैं निर्ममता से कटे हैं।

राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि पिछले दिनों जिस प्रकार कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमला किया गया और फिर वहां की पुलिस ने भी हिंदुओं को ही आरोपी बना डाला उसका स्वयं प्रधानमंत्री ने तीखा विरोध किया वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन के किसी भी नेता ने हिंदुओं पर हो रहे हमलो की निंदा तक नहीं की जिसका असर गठबंधन की चुनावी संभावनाओं पर पड़ सकता है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी के नये नारे का ही प्रभाव है कि अब बांग्लादेश से लेकर कनाडा तक का हिंदू पूरी एकजुटता के साथ सड़कों पर उतर कर आंदोलन कर रहा है। कनाडा के हिंदुओं ने भी योगी जी के नारों बटेंगे तो कटेंगे तथा एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे, नेक रहेंगे जैसे नारो का उद्घोष कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है।

योगी जी के नारों से विपक्षी खेमा हताश है और आरोप लगा रहा है कि बीजेपी ध्रुवीकरण कर सत्ता प्राप्त करना चाहती है। विपक्षी खेमे में की हालत यह है कि योगी जी बोल झारखंड में रहे थे किंतु उन पर पलटवार महाराष्ट्र और लखनऊ से हो रहा था। यह भी माना जा रहा है इस नये नारे से बीजेपी ने कांग्रेस के जातिवाद की राजनीति का तोड़ भी खोज लिया है जिसका प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर निर्माण की बात करते हुए भावुक होकर कांग्रेस व विपक्ष पर हमलावार होते हैं। योगी जी अपनी स्पष्टवादिता के कारण ही लोकप्रिय हैं, दूसरे चुनावी राज्य महाराष्ट्र में भी उनकी 22 रैलियां निर्धारित हैं जिन्हें बढ़ाने की मांग की जा रही है।

महाराष्ट्र में आपसी तालमेल की कमी से जूझ रही महायुति

अमित शर्मा

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदान में केवल 15 दिन का समय ही शेष बचा है, लेकिन इस अंतिम समय में महायुति गठबंधन में आपसी तालमेल की कमी से गठबंधन के नेता परेशान हैं। अजित पवार कैंप से इस तरह की खबरें सामने आ रही हैं कि चुनाव बाद चाचा-भतीजे के बीच की दूरी कम हो सकती है, वहीं, एकनाथ शिंदे ने भी भाजपा टीम से पूरा सहयोग न मिलने की बात कही है। महाराष्ट्र में किसी भी कीमत पर सरकार में वापसी का लक्ष्य लेकर उतरी भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस मामले में दखल देकर मामला सुलटाने का प्रयास कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, महायुति गठबंधन में दरार उसी समय से आनी शुरू हो गई थी जब से भाजपा की ओर से यह संकेत दे दिए गए थे कि चुनाव बाद मुख्यमंत्री उसके दल से हो सकता है। इसके लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से एकनाथ शिंदे और अजित पवार को भी संकेत दे दिया गया है। इसके बाद से ही सहयोगी दलों के बीच खींचतान शुरू हो गई थी। भाजपा के विरोध के बाद भी नवाब मलिक को चुनाव मैदान में उतारना भी भाजपाई खेमे में चिंता का विषय बना हुआ है। इसे अजित पवार की ओर से भाजपा को दिए गए एक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। यानी यदि चुनाव के बाद समीकरण अजित पवार के अनुसार नहीं हुए तो उनके दरवाजे सभी विकल्पों के लिए खुले रह सकते हैं। स्वयं नवाब मलिक ने इसी तरह की बात कहकर इस पर मुहर लगा दी है। उन्होंने तो यहां तक कह दिया है कि चुनाव के बाद चाचा-भतीजे के बीच दूरी कम हो सकती है। चर्चा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भाजपा शीर्ष नेतृत्व से इस बात की शिकायत की है कि चुनाव में उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को प्रचार में भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। इससे चुनाव के समीकरण प्रभावित हो सकते हैं। यदि इसके कारण आपसी तालमेल गड़बड़ाई तो शिवसेना के कार्यकर्ता भी भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार के दौरान सहयोग देने में कमी कर सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो महायुति का समीकरण गड़बड़ हो सकता है। यही कारण है कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस खाई को पाटने में जुट गया है। कथित तौर पर पार्टी के एक केंद्रीय नेता और महाराष्ट्र के एक शीर्ष भाजपा नेता को इस आपसी तालमेल को ठीक करने के लिए कहा गया है। वे सहयोगी दलों के शीर्ष नेताओं से मिलकर बातचीत कर सकते हैं। पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को भी संदेश देकर सभी सहयोगी दलों के नेताओं-प्रत्याशियों को बेहतर सहयोग करने के लिए कह सकती है। महाराष्ट्र भाजपा के एक नेता ने अमर उजाला को बताया कि 2019 के विधानसभा चुनाव का अनुभव यही बताता है कि यदि महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनानी है तो इसके लिए आवश्यक था कि भाजपा अधिक से अधिक सीटों पर लड़े और जीत हासिल करे। पिछले चुनाव में जब उद्धव ठाकरे के साथ पार्टी ने चुनाव लड़ा था, तब भी भाजपा की जीत का स्ट्राइक रेट बेहतर था। सहयोगी दलों को भी इस समीकरण से अवगत कराया गया और यही कारण है कि काफी खींचतान के बाद भी भाजपा को 148 सीटों पर चुनाव लड़ने की सहमति मिल गई। नेता के अनुसार, सभी दल यह समझते हैं कि सरकार बनाने के लिए आपसी तालमेल आवश्यक है, लेकिन कई बार बड़ा परिवार होने पर थोड़ी बहुत खींचतान आपस में देखने को मिल जाती है, लेकिन इसे मनभेद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। नेता के अनुसार, पार्टी अभी भी महाराष्ट्र सरकार की योजनाओं और केंद्र सरकार की लाभार्थी योजना के दम पर जीत हासिल करने में सफल रहेगी। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने चुनाव में प्रचार करना शुरू कर दिया है। भाजपा नेताओं के साथ-साथ महायुति के नेताओं को भी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ जैसे स्टार प्रचारकों के प्रचार के बाद महाराष्ट्र की चुनावी स्थिति बदलेगी और पार्टी एक बार फिर जीत हासिल करने में कामयाब रहेगी।

कनाडा सरकार के रवैये का परिणाम है हिंदू मंदिरों पर हमला

डॉ. अमित सिंह

कुछ समय से भारत और कनाडा के द्विपक्षीय संबंध लगातार खराब होते जा रहे हैं। हाल में एक हिंदू मंदिर और श्रद्धालुओं पर खालिस्तान समर्थक अतिवादियों का हमला भी कनाडा सरकार के आचरण का परिणाम है। पिछले साल कनाडा में एक खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हो गयी थी। कनाडा सरकार, यहां तक कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, का आरोप है कि उस हत्या के षड्यंत्र में भारत शामिल है। यह आरोप लगातार दोहराया जा रहा है क्योंकि ट्रूडो सरकार खालिस्तानी तत्वों के दबाव में है। ये तत्व प्रधानमंत्री ट्रूडो के समर्थक हैं। इन तत्वों को तुष्ट करने के लिए निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का निराधार आरोप लगाया जा रहा है।

भारत ने बार-बार कहा है कि इस आरोप के पक्ष में कनाडा के पास अगर सबूत हैं, तो उन्हें दिखाया जाना चाहिए। भारत ने यह भी कहा है कि निज्जर के पोस्ट-मार्टम रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए और भारत को भी सौंपा जाना चाहिए। लेकिन इस मामले में राजनीति करने के अलावा ट्रूडो सरकार ने कुछ नहीं किया है। यह भी देखने में आया है कि कुछ समय से खालिस्तान समर्थक समूह बहुत मुखर और सक्रिय हैं।

कनाडा में सक्रिय अतिवादियों ने भारतीय राजनयिकों को भी निशाना बनाने और डराने-धमकाने की कोशिश की है। एक रैली में तो उन्होंने भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या को प्रदर्शित करते हुए झांकी निकाली थी। अनेक बार हमारे राष्ट्रीय झंडे का अपमान भी किया गया है। अब मंदिर पर हमले की निंदनीय घटना हुई है। इससे वहां तनाव का माहौल है। कनाडा की सरकार का आरोप है कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के जरिये भारत सरकार कनाडा में हत्या या ऐसे अपराध करा रही है, पर इसका भी कोई सबूत नहीं दिया गया है।

अब भारत के गृह मंत्री अमित शाह पर भी आरोप मढ़ा जा रहा है कि उनके इशारे पर ये सारी चीजें हो रही हैं। ट्रूडो और उनकी सरकार के ऐसे ही निराधार बयानों के कारण दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। दोनों देशों ने अपने वरिष्ठ राजनयिकों को वापस बुला लिया है और उच्चायोगों में कोई खास काम भी नहीं हो रहा है। कनाडा

में ट्रूडो का राजनीतिक समर्थन भी घटता जा रहा है। उनकी अपनी ही पार्टी के कुछ सांसद और विपक्ष के नेता उन पर आरोप लगा रहे हैं कि देश की गंभीर समस्याओं के समाधान पर ध्यान न देकर वे बेकार के मसलों में व्यस्त हैं। उनका यह भी कहना है कि जनता का ध्यान भटकाने के लिए ट्रूडो सरकार बेमतलब विवादों को हवा दे रही है। भारत के खिलाफ जो मोर्चा जस्टिन ट्रूडो ने खोला है, उसमें उन्हें खालिस्तानियों का पूरा साथ मिल रहा है।

हिंदू मंदिर और श्रद्धालुओं पर हमलों को लेकर भारत ने अपनी कड़ी नाराजगी जतायी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना की भर्त्सना की है। ऐसी घटनाएं इसी कारण हो रही हैं कि खालिस्तान समर्थकों को वहां की सरकार की शह मिली हुई है। यह माना जाता था कि कनाडा एक सहनशील राष्ट्र है, लेकिन खालिस्तानी तत्वों को संरक्षण देने के कारण यह तस्वीर अब उलटी हो गयी है। भारत सरकार ने कई बार आतंकियों और अपराधियों की सूची साझा की है, जो कनाडा में हैं और वहां से भारत-विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। लेकिन कनाडा सरकार ने कभी भी इसे गंभीरता से नहीं लिया और न ही कोई कार्रवाई की गयी। जिस प्रकार ट्रूडो सरकार ऐसे तत्वों के समर्थन में खुलकर खड़ी हुई है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि वह दिन दूर नहीं हैं, जब कनाडा की तुलना पाकिस्तान से करनी पड़ेगी, जो लंबे समय से आतंक को प्रश्रय देता आ रहा है।

ऐसा महसूस होता है कि आतंक को संरक्षण देने के मामले में कनाडा पाकिस्तान के साथ एक होड़ में है। इससे उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि और साख को बड़ा नुकसान हो रहा है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में रह रहे एक खालिस्तानी सरगना पन्नू के मामले में अमेरिका ने भारतीय एजेंसियों से सहयोग करने का निवेदन किया, तो भारत ने उस अनुरोध को स्वीकार किया। यह भारतीय कूटनीति की उपलब्धि मानी जानी चाहिए कि कुछ समय पहले अमेरिकी सरकार ने पन्नू को चेतावनी दी है कि वह अमेरिका की धरती से चलायी जा रहीं भारत विरोधी गतिविधियों को बंद कर दे।

यह सराहनीय है कि कनाडा की गैर-जिम्मेदाराना हरकतों पर भारत सरकार की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया दी जा रही है। अनर्गल और निराधार बातों के लिए अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में कोई जगह नहीं होती है। देशों के बीच जब संवाद होता है या कोई शिकायत दर्ज करायी जाती है, तो उसमें सबूतों और दस्तावेजों को आधार बनाया जाता है। ट्रूडो ने अगर अपने रवैये में सुधार नहीं किया, तो परस्पर संबंधों को तो आघात लगेगा ही, उन्हें अपने देश में भी राजनीतिक नुकसान होगा। कनाडा में जल्दी ही संसदीय चुनाव होने वाले हैं। खालिस्तानियों को तुष्ट करने के चक्कर में ट्रूडो ने बड़ी संख्या में हिंदुओं और सिखों का समर्थन खो दिया है। कनाडा की सड़कों और समाज में उपद्रव से वहां के लोगों में क्षोभ बढ़ रहा है। इसका खामियाजा ट्रूडो को भुगतना पड़ सकता है और विपक्ष सत्ता हासिल कर सकता है, जिसकी नीतियां ट्रूडो से पूरी तरह विपरीत हैं। अगर ट्रूडो सत्ता में वापसी करने में सफल हो जाते हैं, तो दोनों देशों के संबंध और खराब होंगे क्योंकि संबंध सुधारने की दिशा में कोई भी सकारात्मक पहल ट्रूडो सरकार की ओर से नहीं हुई है। इसका मतलब स्पष्ट है कि उनकी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है।

अगर ट्रूडो सत्ता में वापस आते हैं, तो खालिस्तानी तत्वों का मनोबल बढ़ेगा। ट्रूडो को भी यही लगेगा कि उन्होंने देश की भलाई के लिए कुछ भी नहीं किया, फिर भी वे सत्ता पाने में सफल हो गये, इसलिए वे अपनी मौजूदा नीतियों को ही जारी रखेंगे। उस स्थिति में उनके ऊपर खालिस्तान समर्थक सांसदों और समूहों का दबाव भी बहुत अधिक होगा। ऐसे में भारत के लिए परेशानियां बढ़ सकती हैं, पर अधिक नुकसान कनाडा का ही होगा। सहनशील और बहु-सांस्कृतिक देश होने की उसकी छवि खराब होगी और उस पर आतंक को समर्थन देने का ठप्पा लग जायेगा। खालिस्तान समर्थक समूह अनेक प्रकार के अपराधों में लिप्त हैं। देर-सबेर कनाडा के समाज को भी उनकी करतूतों से जूझना पड़ेगा। भारत समेत विभिन्न देशों में कनाडा के प्रति जो आकर्षण रहा है, वह भी समाप्त होता जायेगा।

ट्रम्प की जीत लोकतंत्र के लिए चेतावनी

आशुतोष

तो डोनाल्ड ट्रम्प अमरीका के अगले राष्ट्रपति होंगे। उन्होंने कमला हैरिस को चुनाव हरा दिया है। अमरीकी इतिहास की यह अनोखी घटना है। एक ऐसे पूर्व राष्ट्रपति की जीत, जो 4 साल पहले चुनाव हार गया हो, जिसको राष्ट्रपति रहते 2 बार इंपीच किया गया हो, जो 34 काऊंट पर कोर्ट में दोषी साबित हुआ हो और अगर बाकी के अदालती मामलों में दोष साबित हो जाए तो उसका जेल जाना तय हो, किसी चमत्कार से कम नहीं है।

चुनाव के दौरान डैमोक्रेटिक पार्टी ने बार-बार यह आरोप लगाया कि अगर ट्रम्प जीत गए तो यह अमरीका का आखिरी चुनाव होगा, लोग आखिरी बार चुनाव में वोट डालेंगे। ट्रम्प को खुद उनकी सरकार में काम किए वरिष्ठ पदाधिकारियों ने फासीवादी बताया। लेकिन इन सब का मतदाताओं के दिलो-दिमाग पर कोई असर नहीं हुआ। लोगों ने उस कमला हैरिस को हरा दिया जो लोकतंत्र के रक्षक के तौर पर अपने को पेश कर रही थीं। इसका कुछ तो अर्थ होगा? जनता कुछ तो संदेश दे रही है? यह सवाल तो उठना चाहिए कि लोकतंत्र खतरे में है, संविधान खतरे में है, को लोग बड़ा मुद्दा क्यों नहीं मानते और अमरीका में उसे क्यों जिताते हैं, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है?

लोग शायद यह मान सकते हैं कि अब लोकतंत्र बचाओ के नैरेटिव से या तो वे ऊब चुके हैं या फिर मानते हैं कि लोकतंत्र इतना मजबूत हो गया है कि किसी नेता के राष्ट्रपति बनने या न बनने से लोकतंत्र का मौजूदा स्वरूप नहीं बिगड़ेगा! लिहाजा वे 'लोकतंत्र बचाओ' के नारे को दूसरे नारे जैसा ही लेते हैं और भूल जाते हैं तथा उन मुद्दों के आधार पर वोट देते हैं, जो उनके लिए रोजमर्रा की जिंदगी में ज्यादा अहम हैं। जैसे रोजगार का सवाल, महंगाई का सवाल, अपनी पहचान का सवाल, धर्म का सवाल। यह शायद समस्या का अति सरलीकरण होगा। समस्या ज्यादा गहरी है।

इस चुनाव में अमरीका के सामने दो विकल्प थे। एक तरफ थे 'मर्द' डोनाल्ड ट्रम्प और दूसरी तरफ 'औरत' कमला हैरिस। एक तरफ थे 'श्वेत' डोनाल्ड ट्रम्प और दूसरी तरफ थीं 'अश्वेत' कमला हैरिस। एक तरफ थे 'ही मैन' डोनाल्ड ट्रम्प, जिनकी जेब में था अमरीका और दुनिया की दूसरी सारी समस्याओं का हल, तो दूसरी तरफ थीं कमला, जो 'कमजोर' से दिखने वाले जो बाइडेन की विरासत को आगे बढ़ाती दिख रही थीं। वही बाइडेन, जो यूक्रेन युद्ध नहीं रुकवा पाते, जो इसराईल की मनमानी पर रोक नहीं लगा पाते, जो अफगानिस्तान से अमरीकी सेनाओं के बाहर निकलते समय अपनी छीछालेदर करवाते हैं, जो चीन को काबू में नहीं कर पाते, जो अमरीका जैसे मजबूत देश के बेहद कमजोर राष्ट्रपति दिखते हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प की जीत का रास्ता दरअसल आधुनिकता और पुरातनपंथ के बीच की जो उलझन है, दोनों के बीच जो संघर्ष है, उस भूल-भुलैयां से निकलता है। यह मानना पड़ेगा और शायद इस ओर और गहन अध्ययन की जरूरत है कि जितना हम देश और समाज के आधुनिक होने का दंभ भरते हैं या दावा करते हैं, दरअसल वैसा है ही नहीं। इसलिए जो पुरातनपंथीपन है, वे मूल्य जो हजारों साल से इंसान को इंसान होने का अहसास दिलाते हैं, जो उसे बांध कर रखते हैं, वे रह-रह कर हिलोरें मारता है और वे मानवाधिकार, महिला अधिकार, गे राइट्स जैसे अत्याधुनिक मूल्यों से खुद को नहीं जोड़ पाता। वह आज भी अपने शरीर के रंग से अपनी पहचान देखता है, अपनी अस्मिता को खोजता है। जिसकी नजर में औरतों का काम है बच्चे पैदा करना, देश और सरकार चलाना मर्दों का काम है।

यह अकारण नहीं है कि अमरीका से जो खबरें आ रही हैं उनके मुताबिक इस बार अश्वेत और लैटिन अमरीकी मूल के मर्दों ने पहले के मुकाबले कम वोट डैमोक्रेटिक पार्टी को दिए। इस समाज के लिए गर्भपात कराने का अधिकार औरतों के पास नहीं होना चाहिए। इस वोटर को वैश्वीकरण और अमरीका के 'मैड्क्षल्टग पॉट' कॉन्सैप्ट में खुद की पहचान खो जाने का खतरा दिखता है। उसे लगता है कि अमरीका तो श्वेतों ईसाइयों की जमीन है, अश्वेत, लैटिनों और एशियाई अफ्रीकी मूल के लोगों के आने से उनकी पहचान खत्म हो जाएगी । ऐसे में जब ट्रम्प आप्रवासियों के खिलाफ बोलते हैं तो अमरीका के एक बड़े तबके को लगता है कि ट्रम्प कितने भी खराब क्यों न हों, वह उनकी पहचान को बचाने के लिए लड़ रहे हैं, जबकि डैमोक्रेटिक पार्टी उनकी पहचान को खतरे में डाल रही है। हम इसे 'कबीलावाद' भी कह सकते हैं, जिसका अर्थ है एक कबीले के लोगों को एक साथ रहना चाहिए और बाहर के लोग कबीले के लिए खतरा बन सकते हैं।

यह प्रवृत्ति इस वक्त पूरी दुनिया में सिर उठा रही है, जिसकी नुमाइंदगी दक्षिणपंथ पूरी शिद्दत से करता है। और जैसे-जैसे वैश्वीकरण, टैक्नोलॉजी के माध्यम से दुनिया के हर घर को अपनी चपेट में ले रहा है, वैसे-वैसे कबीलाई मानसिकता अपने को और असुरक्षित महसूस कर रही है। उसे संतोष और सुरक्षा अपने तरह के लोगों के बीच ही मिलती है। वह इस सुरक्षा की तलाश में ईश्वर के और करीब हो जाता है। यह अनायास नहीं है कि ट्रम्प की जीत को ईसाई धर्म की जीत के तौर पर देखा जा रहा है। गर्भपात का प्रश्न भी धर्म से गहरे जुड़ा है।

भारत में भी भाजपा अपनी राजनीति ड्क्षहदू धर्म की ओट से करती है और 'हिंदू खतरे में है' को जनता को समझाने में नहीं चूकती। बंगलादेशी घुसपैठियों के सवाल को लोगों के बीच खुद प्रधानमंत्री ले कर जाते हैं। लव जिहाद का नारा बुलंद किया जाता है, मोदी ट्रम्प में अपना दोस्त खोजते हैं और मोदी समर्थक ट्रम्प की जीत के लिए प्रार्थना करते हैं। और हां, जो इस बात को लेकर खुशी मना रहे हैं, वे शायद भूल रहे हैं कि ट्रम्प अमरीका के राष्ट्रपति हैं, भारत के नहीं। ट्रम्प को भारत का खुला बाजार चाहिए।

वह भारत पर दबाव डालेंगे कि वह अमरीकी सामान के लिए दरवाजे खोल दे और अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह भारत की ऐसी-तैसी करेंगे, जैसे पिछली बार हार्ले डेविडसन बाइक को लेकर किया था। और वह इस बात को पसंद नहीं करेंगे कि भारत चीन के साथ अपने रिश्ते ठीक करे। और अमरीका में भारतीयों के आने-जाने पर भी अंकुश लगेगा क्योंकि आप्रवासियों पर रोक लगाना उनकी घोषित नीति है। यह प्रवृत्ति लगातार तेजी से बढ़ रही है। मौजूदा लोकतांत्रिक व्यवस्था और विचार इसे रोकने में नाकाम हैं और अगर इस प्रवृत्ति पर जल्दी रोक नहीं लगी तो लोकतंत्र बचेगा या नहीं, यह सवाल बड़ा हो जाएगा।

मेरा मानना है कि लोकतंत्र की दुहाई देने वालों को अपनी रणनीति में बुनियादी बदलाव करने की जरूरत है। उन्हें इंसान की कबीलाई मानसिकता के सवाल को समझना पड़ेगा और धर्म पर हमले बंद करने होंगे। धर्म की ताकत को कम कर आंकने की वजह से ही दुनिया में लोकतंत्र खतरे में पड़ता दिख रहा है। पुराने लोकतंत्र के सवालों की जगह नए सवाल खोजने पड़ेंगे, जो आम इंसान की बेचैनी और असुरक्षा बोध का हल दे सकें। ट्रम्प की जीत लोकतंत्र की हार नहीं बल्कि एक चेतावनी है। अगर अब भी लोकतंत्र के वकील अपने में सुधार नहीं करेंगे, रणनीति नहीं बदलेंगे, पुरानी द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की लकीर ही पीटेंगे, तब तो लोकतंत्र जरूर खत्म होगा। बदलाव लाना होगा।

ट्रंप सत्ता में आने के बाद भारत कनाडा विवाद सुलझाएंगे!

काव्या मिश्रा

अमेरिका में अबकी बार ट्रंप सरकार। नतीजों ने न सिर्फ पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस पहुंचा दिया, बल्कि नए रिकॉर्ड भी बना दिए। उन्होंने न केवल व्हाइट हाउस की रेस जीती, बल्कि सीनेट व निचले सदन में भी बहुमत जुटाया। 132 साल में वह पहले ऐसे नेता बन गए, जिन्होंने निरंतरता टूटने के बावजूद चुनाव जीता। अब सवाल उठ रहा है कि ट्रंप के सत्ता में आने पर भारत-अमेरिका के संबंधों पर क्या कुछ असर पड़ेगा। ऐसे ही सवालों का इंडियन-अमेरिकन्स फॉर ट्रंप 2016 समिति के सदस्य डॉ. सुधीर पारिख ने जवाब दिया।

उन्होंने कहा, हमने चर्चा की और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप से वादा किया कि अगर वह सत्ता में आए तो वह कनाडा सरकार और भारत सरकार के बीच इस संकट को हल करने में हमारी मदद करेंगे क्योंकि इसे दोनों देशों के हित में कूटनीतिक रूप से हल करना होगा क्योंकि भारत और कनाडा के बीच एक बड़ा व्यापार है। कनाडा में बहुत सारे भारतीय-कनाडाई रहते हैं। इसलिए उन्होंने हमसे वादा किया कि वह पूरी समस्या को कूटनीतिक रूप से हल करने की पूरी कोशिश करेंगे।

जानकार आगाह करते हैं कि भारत को भावुकता की बजाय व्यावहारिकता से ट्रंप से डील करना होगा। ट्रंप पिछले कार्यकाल में भारत के साथ टैरिफ जैसे मुद्दे उठाते रहे हैं और कई मोर्चों पर अप्रत्याशित फैसले लेते रहे हैं। ऐसे में उनके फैसलों के आधार पर ही आकलन बेहतर होगा। हालांकि ट्रंप के सत्ता में आने से भारत-कनाडा के तनाव पर भी असर पड़ेगा। ट्रंप व कनाडा के पीएम जस्टिन त्रूदो के रिश्तों की खटास के बीच मुमकिन है कि कनाडा को वैसा अमेरिकी समर्थन न मिले, जैसा बाइडन सरकार में मिल रहा है।

यूं लगा जन्नत में है ऊटी

मुन्नार की मखमली खूबसूरती से तीन दिन तक रू-ब-रू रहने के बाद हमारी टोली ऊटी के लिए रवाना हुई तो एक उदासी-सी मन में थी। एक तो जन्नत जैसे मुन्नार से हम विदा ले रहे थे जहां से वापस आने का दिल शायद ही किसी का करे। दूसरे, मन में यह सवाल बार-बार सिर उठा रहा था कि मुन्नार को देखने के बाद ऊटी कहीं फीका लगा और अगले दो दिन बेकार चले गए, तो? मुन्नार से कोयम्बटूर और वहां से आगे ऊटी जाने के लिए यूं तो अच्छी सडक है, पर चूंकि टोली में आठ-दस बच्चे और कुछ महिलाएं भी थीं, तो बेहतर यही था कि सडक के मुश्किल सफर के बजाय ऊटी तक की दूरी ट्रेन से तय की जाए। इस फैसले की वजह मेट्टुपालयम से ऊटी तक घुमावदार पहाडी रास्तों पर रेंगने वाली टॉय ट्रेन भी थी जो खासकर बच्चों के लिए मजेदार अनुभव होता।

छुक-छुक रेलगाडी

मुन्नार को अलविदा कहकर हम बस से कोच्चि पहुंचे, जहां से कोयम्बटूर और फिर आगे मेट्टुपालयम तक हमें ट्रेन से जाना था। मेट्टुपालयम कस्बा कोयम्बटूर से 35 किलोमीटर की दूरी पर है और यहां तक बडी लाइन की ट्रेनें जाती हैं। सफर का असल रोमांच मेट्टुपालयम से शुरू होता है जहां से नैरोगेज लाइन पर चार डिब्बों वाली ट्रेन ऊटी के लिए निकलती है। नीलगिरी पहाडियों में चीड के पेडों के बीच से मंद गति से तय होता यह सफर बेहतरीन कुदरती नजारे हमारे सामने पेश कर रहा था। कहीं ऊंचाई से गिरते पानी का शोर था, कहीं पहाडों ने अपने हरे चोगे पर सफेद बादल कंगन की तरह टांग रखे थे, तो कहीं सांप की तरह रेंगती सडक हमसे आ मिलने को बेताब दिख रही थी। रास्ते में प्रहरी की तरह खडे ऊंचे पेड और कुछ पलों के लिए ट्रेन को निगल लेने वाली सुरंगें हमारे रोमांच को दूना करने में कोई कसर नहीं छोड रहे थे। जैसे ही ट्रेन सुरंग के अंधेरे में समाती, यात्रियों का जोशभरा शोर उस अंधेरे पर भारी पडता दिखता। इस पूरे सफर के दौरान दिक्कत थी तो सिर्फ एक, और वो यह कि इस छुटकी-सी ट्रेन में बैठने की जगह बेहद तंग थी। लेकिन इस दौरान अगर आप खुद को कुदरत के मोहपाश में जकडे रहने देते हैं तो इस दिक्कत का एहसास ही नहीं होता।

एक सफर में दो रंग

ऊटी तक के ट्रेन के इस सफर को हम दो हिस्सों में बांट सकते हैं। पहला, मेट्टुपालयम से कुन्नूर। यहां ट्रेन स्टीम इंजन से चलती है। स्टीम इंजन है तो जाहिर है ट्रेन की चाल भी बेहद धीमी रहती है। कुन्नूर तक चढाई ज्यादा तीखी है जिसे स्टीम इंजन अपनी कछुआ चाल से बडी आसानी से तय कर लेता है। पूरा रास्ता चट्टानी है, रास्ते में ऊंचे पेड हैं और अनेक छोटे-बडे पुल भी। कुन्नूर इस रेलखंड का एक अहम स्टेशन है जहां गाडी काफी देर रुकती है। खाने-पीने के यहां बेहतर बंदोबस्त हैं। कुन्नूर में ट्रेन स्टीम इंजन का दामन छोडकर डीजल इंजन को अपना सारथी बनाती है, और शुरू हो जाता है सफर का दूसरा हिस्सा जो कहीं ज्यादा सुकून देने वाला है। कह सकते हैं कि ऊटी का असल रंग दिखना यहीं से शुरू होता है। चाय के तराशे हुए बौने पौधे ऊंचे पेडों की जगह ले लेते हैं। अभी तक जो गहरा हरा रंग आंखों तक पहुंच रहा था, उस पर लगता है जैसे प्रकृति ने दिल खोलकर धूप मसल दी हो। चारों तरफ खिली हुई हरियाली.. मन को प्रफुल्लित करती हरियाली। और इस हरियाली के बीच गर्व से सिर उठाए खडे छोटे-छोटे घर.. एक अलग ही दृश्य है यह, जो एक बार दिल पर छप गया तो फिर कभी धूमिल होने वाला नहीं।

बादलों का है अलग रिश्ता

समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ऊटी अंग्रेजों का समर रिजॉर्ट हुआ करता था। मूल रूप से यह इलाका टोडा जनजाति का घर है। उन्होंने अंग्रेजों को अपनी जमीन का एक बडा हिस्सा दे दिया था, जिस पर अंग्रेजों ने शहर बसाया। इस इलाके का असल नाम ऊटकमंड है, इसी को अंग्रेजों ने छोटा करके ऊटी कर दिया। हालांकि, अब शहर का आधिकारिक नाम उदगमंडलम है जो ऊटकमंड का तमिलीकरण है। पांच घंटे के सफर के बाद दिन में करीब 12 बजे ट्रेन उदगमंडलम स्टेशन पर जा लगी तो बूंदाबांदी हो रही थी। हम लोग मानसून के दौरान वहां गए थे। इस मौसम में बादलों का दिल कब हो जाए ऊटी को भिगोने का, कह नहीं सकते। बादलों का ऊटी से अलग ही रिश्ता है। जब-जब दिल करता है, ये बादल किसी बेसब्र प्रेमी की तरह आकर ऊटी को अपने आगोश में ले लेते हैं। इसका प्रमाण ऊटी की गोद में विचरण करते वक्त मिला। बादल चेहरे पर आ-आकर ठहरते और पानी के कण गालों पर छोडकर आगे निकल जाते। बारिश मुन्नार में भी खूब देखी हमने.. वहां भी बादल पहाडों व पेडों के साथ अठखेलियां करते दिखे। लेकिन वहां के अप्रतिम सौंदर्य को बादल अपने आलिंगन में नहीं लेते। मानो, कोई झिझक उन पर तारी रहती हो। लेकिन ऊटी में समीकरण अलग है। यहां बादल आएंगे तो पहले प्यार में डूबकर हर गोशे को छुएंगे और फिर भावुक होकर बरस पडेंगे।

खूबसूरत शहर

ऊटी की सुंदरता की किसी और जगह से तुलना बेमानी है। नीलगिरी की गोद में एक चुप्पी ओढे शहर की तस्वीर पेश करता है यह। बडे नाम वाले हिल स्टेशनों के मुकाबले जिंदगी बहुत तेज नहीं है यहां। ऊंचाई से देखो तो अंग्रेजी स्टाइल में बने घरों की छटा अलग ही है। घरों के जमावडे के बीच से झांकता वहां का मशहूर रेसकोर्स.. इसके अलावा हरे-भरे बाग, झील, गोल्फ कोर्स, स्टेशन परिसर.. हमने ऊटी का यह विहंगम नजारा डोडाबेटा टी फैक्टरी की बालकनी से देखा। यह दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर बनी टी-फैक्टरी है। पांच रुपये की टिकट पर चाय बनाने की प्रक्रिया यहां देख सकते हैं। ताजा चाय की महक में तलब लगना लाजिमी है। लीजिए, इलायची वाली चाय का कप भी हाजिर है आपके लिए। चुस्की लीजिए और तर-ओ-ताजा हो जाइए। यहां कई तरह की चाय बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। हमारे साथियों ने कितनी खरीदारी की यहां, इसका पता बाहर आकर चला जब हरेक के हाथ में दो-दो थैले झूलते नजर आए।

कई रंग हैं ऊटी में

हमारे सामने ऊटी शहर अपने विविध रंगों को लेकर शान से खडा था। घूमने-फिरने के लिए ऊटी में और इसके आस-पास कई जगहें हैं। ऊटी की बात करें तो सबसे पहले जिक्र झील का आएगा। स्टेशन से दो किलोमीटर की दूरी पर मौजूद इस कृत्रिम झील पर सैलानियों तथा छुट्टी बिताने आए स्थानीय लोगों की भीड हमें नजर आई। 190 साल पहले यह झील जॉन सुलिवन ने बनवाई थी। यहां पर नौका विहार का आनंद लेने से हम खुद को नहीं रोक पाए। नाव में आधे घंटे तक झील की सैर के दौरान कितने ही प्यारे-प्यारे नजारों ने हमें बांधे रखा। यहां नौका विहार के अलावा मनोरंजन के अन्य साधन भी हैं, खासकर बच्चों के लिए। टॉय ट्रेन आपको झील के किनारे-किनारे चक्कर कटाकर लाती है तो लेक गार्डन में थोडी देर सुस्ताना सारी थकान भगा देगा। इसके अलावा, खाने-पीने व शॉपिंग के भी यहां खासे विकल्प नजर आए। झील के पास ही ऊटी का मशहूर थ्रेड गार्डन है, जहां धागे से रंग-बिरंगे फूल बनाए जाते हैं। यहां की खासियत है कि फूलों को हाथ से बनाया जाता है और इन्हें बनाने में सुई का इस्तेमाल भी नहीं होता। इसके अलावा, दुनियाभर में मशहूर बॉटेनिकल गार्डन यहां है जहां हजारों प्रजातियों के पेड-पौधे हैं। 22 एकड में फैले इस गार्डन में हर साल मई में होने वाले फ्लावर शो में बडी तादाद में लोग पहुंचते हैं। यहां एक अन्य आकर्षण एक पेड का करीब दो करोड साल पुराना जीवाश्म है। बॉटेनिकल गार्डन के पास ही चिल्ड्रन पार्क है। यहां जाएंगे तो लगेगा कि मखमल का कोई गलीचा आपके सामने बिछा हुआ है। बच्चों का दिल अगर यहां से आने को न करे तो इसमें उनका कोई कुसूर नहीं। ऊटी का एक अन्य आकर्षण छह एकड में फैला रोज गार्डन है। यह विजयनगरम इलाके में एल्क हिल की ढलान पर है जहां गुलाब के 17,000 से ज्यादा पौधे हैं। तभी तो इसे देश का सबसे बडा रोज गार्डन होने का गौरव हासिल है। इसके अलावा, गोल्फ कोर्स व रेस कोर्स की हरियाली वहां जाने वाले को अपने जादू में बांध लेने के लिए काफी है।

वेनलॉक का जादू

टोडा जनजाति के घरों को तो हमने दूर से देखा, लेकिन वेनलॉक के नैसर्गिक सौंदर्य को हम अपने भीतर भरकर ले लाए। सफेद बादलों में लिपटी चटख हरे रंग की पहाडियां.. हर बार पलकें उठाते ही भीतर एक पूरी दुनिया आबाद हो रही थी, और हर सांस के साथ मानो अमृत घुलता जा रहा था शरीर में। यह स्थान ऊटी से छह मील व नौ मील के बीच स्थित है। स्थानीय लोग बोलचाल में इसे फिल्म शूटिंग पॉइंट कहते हैं। चाय की खेती होने से पहले नीलगिरी पर्वतमाला की हर पहाडी ऐसी ही होती थी।

हल्की ढलान वाली इन बल खाती हुई पहाडियों की तुलना ब्रिटेन के यॉर्कशर डेल्स से की जाती है। पहले तो हमने सोचा कि बारिश में कौन चढेगा पहाडी के ऊपर, चलो रहने देते हैं। लेकिन फिर हिम्मत की तो ऊपर जाकर पता चला कि हमसे क्या छूटने जा रहा था। एक पहाडी की ढलान दूसरी पहाडी की ढलान में मिल रही थी। दूर तक जन्नत के सिवा कुछ नहीं था। ये क्या! अभी-अभी जो जगह साफ दिख रही थी, उसे अचानक सफेद जलकणों ने ढक लिया था। ठंड से हम कांप रहे थे और कानों के सिरे लाल हुए जा रहे थे।

लेकिन यकीन मानिए, वहां से वापस आने के लिए मन को समझाना मुश्किल हो रहा था। हमारे सामने जो था, वो किसी स्वप्न से कम नहीं था। हमारा ऊटी आना सफल हो गया।

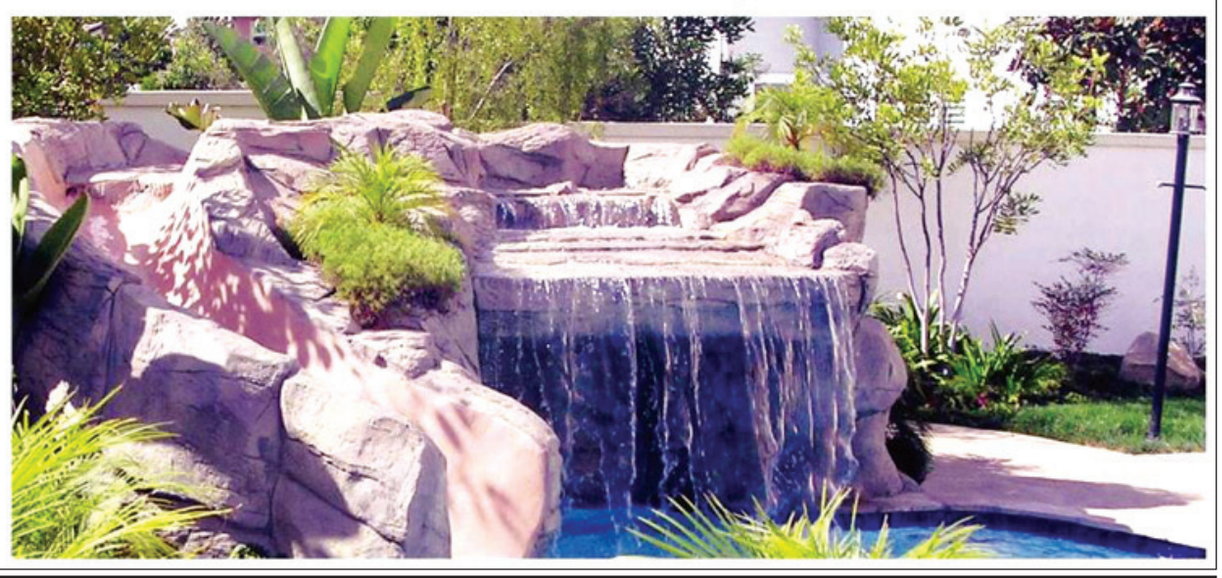

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

आतंकवाद के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति

नईदिल्ली। नई दिल्ली में आतंकवाद विरोधी सम्मेलन-2024 के उद्घाटन सत्र को गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधित किया। शाह ने साफ तौर पर कहा कि हम आतंकवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के 75 साल हो गए हैं। देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की सुरक्षा बनाए रखने के लिए अब तक 36,468 पुलिसकर्मी अपने प्राणों की आहुति दे चुके हैं। मैं आज उन सभी को सर्वोच्च बलिदान देने की उनकी भावना के लिए श्रद्धांजलि देना चाहता हूं और देश की ओर से उनके परिवारों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। शाह ने कहा कि पीएम मोदी के देश का प्रधानमंत्री बनने के 10 साल के अंदर भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ ठोस रणनीति अपनाई। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के उनके नारे को आज न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है। भारत के अंदर आतंकवाद से लड़ने का एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार हो चुका है।

डोनाल्ड ट्रंप की जीत से गदगद रामदास अठावले

नईदिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका का निर्वाचित राष्ट्रपति घोषित किए जाने के बाद केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मीडिया से बात की। रामदास अठावले डोनाल्ड ट्रंप की जीत से बेहद खुश हैं। उन्होंने एक रिश्ता भी जोड़ लिया। रामदास अठावले ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी से हैं और मेरी पार्टी का नाम भी रिपब्लिकन पार्टी है, इसलिए मैं बहुत खुश हूं। डोनाल्ड ट्रंप बहुत बड़े नेता हैं और उन्हें जनता ने चुना है। भारतीय-अमेरिकियों ने भी उनका समर्थन किया। उन्होंने निवर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के प्रति भी सहानुभूति व्यक्त करते हुए कहा कि हमें हैरिस के लिए दुख है, जो ट्रंप से हार गईं। वह भारतीय मूल की हैं। अठावले ने आगे जोर देकर कहा कि ट्रम्प के नेतृत्व वाली सरकार भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच संबंधों को मजबूत करेगी। डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी चुनाव में चुने गए हैं। अमेरिका और भारत के रिश्ते और भी मजबूत होंगे।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने जारी किया घोषणापत्र

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी के घोषणापत्र का अनावरण किया, जिसमें पुरुष छात्रों के लिए मुफ्त शिक्षा, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को स्थिर करने और धारावी पुनर्विकास परियोजना को खत्म करने का आश्वासन दिया गया। ठाकरे ने कहा कि अधिकांश चुनावी वादे विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के समग्र आश्वासनों का हिस्सा हैं, लेकिन कुछ बिंदु हैं जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एमवीए, जिसमें शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी (एसपी) शामिल हैं, 20 नवंबर के राज्य विधानसभा चुनावों के लिए अपना घोषणापत्र भी जारी करेगी। उन्होंने कहा कि एमवीए आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को भी स्थिर रखेगा। धारावी पुनर्विकास परियोजना पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे रद्द कर दिया जाएगा क्योंकि इस परियोजना का असर मुंबई पर पड़ेगा।

महाराष्ट्र में राज ठाकरे ने उठाया लाउडस्पीकर का मुद्दा

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने अमरावती में एक रैली के दौरान मस्जिदों पर लाउडस्पीकर का मुद्दा फिर उठाया। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को चुनाव होंगे और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम नेता महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए वोट मांगने के लिए मस्जिदों से फतवा जारी कर रहे हैं। इसके बात उन्होंने कहा कि मुझे शक्ति दीजिए और मैं सुनिश्चित करूंगा कि महाराष्ट्र में किसी भी मस्जिद पर एक भी लाउडस्पीकर न हो। ठाकरे ने यह भी दावा किया कि उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में उद्धव ठाकरे के कार्यकाल के दौरान मस्जिद के लाउडस्पीकरों को जबरन हटा दिया था, जिसके कारण उनके समर्थकों के खिलाफ 17,000 मामले दर्ज किए गए थे। शरद पवार पर निशाना साधते हुए, ठाकरे ने उन्हें ओबीसी और मराठा समुदायों के बीच विवाद भड़काने का आरोप लगाते हुए संत शरदचंद्र पवार कहा।

हेमंत सोरेन ने बयान पर निशिकांत दुबे का पलटवार

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर निशाना साधते हुए उसे झूठ और नफरत का शोरूम बताया। एक एक्स पोस्ट में, झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा ने उनके खिलाफ नफरत, सामाजिक दुश्मनी और झूठ फैलाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए। उन्होंने कहा कि मैं गलत नहीं हूं जब मैं कहता हूं कि भाजपा झूठ और नफरत का शोरूम है। सोरेन के आरोपों पर पलटवार करते हुए झारखंड बीजेपी ने कहा कि वह अपनी आसन्न हार को देखते हुए सिर्फ बहानेबाजी की कहानी गढ़ने के लिए पीड़ित कार्ड खेल रहे हैं। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि झामुमो भ्रष्ट पार्टी और चोरों की पार्टी है और इसके सरदार हेमंत सोरेन हैं इसलिए उन्हें बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबू लाल मरांडी ने कहा कि पुलिस सिर्फ चोरों को पकड़ने जाती है। अगर वे चोरी करेंगे तो पुलिस उन्हें पकड़ेगी।

राहुल गांधी के आर्टिकल पर बवाल, नाराज हुए राजघराने

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और दीया कुमारी ने घेरा

नईदिल्ली। देश भर के शाही वंशजों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा उनके पूर्वजों को दमनशील महाराजा कहने की निंदा की है। एक प्रमुख समाचार पत्र में प्रकाशित संपादकीय में, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था कि ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत की आवाज कुचल दी थी। यह आवाज उसने अपनी व्यापारिक शक्ति से नहीं, बल्कि अपने शिकंजे से कुचली थी। उन्होंने कहा कि हमने अपनी आजादी किसी दूसरे देश के हाथों नहीं गंवाई, हमने इसे एक एकाधिकारवादी निगम के हाथों खो दिया था, जो हमारे देश में दमन तंत्र को चलाता था। कंपनी ने प्रतिस्पर्धा खत्म कर दी थी। वही यह तय करने लगी थी कि कौन क्या और किसे बेच सकता है।

1947 में भारत की आजादी तक ग्वालियर पर शासन करने वाले सिंधिया परिवार के सदस्य, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया ने राहुल गांधी की उनकी टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि गांधी को भारत माता का अपमान करना बंद करना चाहिए और इसके बजाय भारत के इतिहास के वास्तविक नायकों के बारे में सीखना चाहिए। उन्होंने एक्स पर लिखा कि यदि आप राष्ट्र के उत्थान का दावा करते हैं, तो भारत माता का अपमान करना बंद करें और महादजी सिंधिया, युवराज बीर टिकेंद्रजीत, कित्तूर चेनम्मा और आरवेलु नाचियार जैसे सच्चे भारतीय नायकों के बारे में जानें, जिन्होंने हमारी आजादी के लिए जमकर लड़ाई लड़ी।

राहुल ने पूर्व साथी ने कहा कि अपने स्वयं के विशेषाधिकार के बारे में आपकी चयनात्मक भूलने की बीमारी उन लोगों के लिए एक अपकार है जो वास्तव में विपरीत परिस्थितियों के खिलाफ प्रयास कर रहे हैं। आपकी असंगति कांग्रेस के एजेंडे को और उजागर करती है - राहुल गांधी आत्मनिर्भर भारत के चैंपियन नहीं हैं; वह महज़ एक पुरानी पात्रता का उत्पाद है। भारत में ब्रिटिश राज के दौरान जयपुर रियासत के अंतिम शासक महाराजा मान सिंह द्वितीय की पोती, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने राहुल गांधी की पूर्व शाही परिवारों की आलोचना की निंदा करते हुए कहा कि अखंड भारत का सपना साकार हुआ है। यह इन शाही परिवारों के महत्वपूर्ण बलिदानों के कारण संभव हुआ।

उन्होंने कहा कि मैं आज एक संपादकीय में राहुल गांधी द्वारा भारत के पूर्व शाही परिवारों को बदनाम करने के प्रयास की कड़ी निंदा करता हूं। एकीकृत भारत का सपना भारत के पूर्व राजपरिवारों के सर्वोच्च बलिदान के कारण ही संभव हो सका। ऐतिहासिक तथ्यों की आधी-अधूरी व्याख्या के आधार पर लगाए गए निराधार आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। कभी जैसलमेर साम्राज्य पर शासन करने वाले परिवार के वंशज चैतन्य राज सिंह ने पूर्व शाही परिवारों के खिलाफ राहुल गांधी के आरोपों को निराधार और अस्वीकार्य बताया।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 370 के मुद्दे पर पक्ष-विपक्ष में भिड़ंत

बाल पकड़कर एक-दूसरे को नोंचते रहे विधायक, लात-घूंसे चलाए, कपड़े फाड़े

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पांच साल बाद कार्यवाही फिर से शुरू हुई थी। गुरुवार सुबह को जैसे ही सदन का कार्य शुरू हुआ, उसके कुछ ही मिनटों बाद इसे स्थगित करना पड़ा। सदन में माहौल काफी ज्यादा खराब हो गया था। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। विधायकों ने सदन में हाथापाई की और एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाए। भाजपा विधायकों और एनसी, पीडीपी, जेकेएआईपी और सीपीआई-एमएल के विधायकों के बीच झगड़े के कारण व्यवधान के बाद कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक और इंजीनियर राशिद के भाई खुर्शीद अहमद शेख द्वारा अनुच्छेद 370 पर बैनर दिखाए जाने के बाद हंगामा शुरू हुआ। इसके बाद विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने बैनर दिखाए जाने पर आपत्ति जताई।

बैनर को देखकर भाजपा के विधायक भड़क गए और उन्होंने उनके हाथ से उस पोस्टर को छीन लिया। भाजपा विधायकों ने शेख खुर्शीद के हाथ से पोस्टर लेकर उसे फाड़ दिया। इस दौरान हाथापाई होने लगी और जमकर हंगामा हुआ।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में हंगामा और हाथापाई के बाद सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। सदन स्थगित होने के बाद भी भाजपा सदस्यों ने अपना विरोध जारी रखा। भाजपा ने सुरक्षा पर आवाज उठाई कि ऐसी चीजों को कैसे अनुमति दी जाती है। मार्शलों ने सदन में हंगामा कर रहे कुछ विपक्षी विधायकों को सदन से बाहर निकाला।

विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने कहा कि इन्होंने स्पेशल स्टेटस के तहत अपने अपने महल बनाए और कब्रिस्तान खड़े किए। इस पर नेकां के नेता भड़क पड़े। सदन में भाजपा ने नारेबाजी शुरू की। उधर नेकां के नेताओं ने भी सदन में नारेबाजी की।

हम अपनी आवाज उठाते रहेंगे : खुर्शीद अहमद शेख

इंजीनियर राशिद के भाई और अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक खुर्शीद अहमद शेख (जिन्होंने आज जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 पर एक बैनर प्रदर्शित किया) ने कहा, यह पूरी तरह से कानूनी है। हम अनुच्छेद 370 पर एक प्रस्ताव लाना चाहते थे, लेकिन हमें मौका नहीं दिया गया। तो, हमारे पास और क्या विकल्प था? बैनर में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए के बारे में बात की गई थी, जिसकी हम निंदा करते हैं। लेकिन यह भाजपा को पसंद नहीं आया। भले ही वे हम पर हमला करना जारी रखें, हम अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

विधानसभा का अनुच्छेद 370 से कोई लेना-देना नहीं : रविंदर रैना

भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और अलगाववादियों के एजेंडे को दोबारा जिंदा करने की कोशिश और साजिश की है। जम्मू-कश्मीर की विधानसभा का अनुच्छेद 370 से कोई लेना-देना नहीं है। जिस तरह चोरी छिपे कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार ने अनुच्छेद 370 के प्रस्ताव को विधानसभा में लाया है वह गैरकानूनी, असंवैधानिक है। यह देश के साथ गद्दारी है। भाजपा इस एजेंडे को कभी लागू नहीं होने देगी।

कुछ नहीं मिलेगा, यह इतिहास बन चुका है : कविंदर गुप्ता

भाजपा नेता कविंदर गुप्ता ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र में हंगामे पर कहा, नेशनल कॉन्फ्रेंस और कश्मीर की पार्टियां जम्मू-कश्मीर का माहौल खराब करना चाहती हैं। स्पीकर जिस तरह नेशनल कॉन्फ्रेंस के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं उससे माहौल खराब हुआ। आज जिस तरह इन्होंने भाजपा विधायकों को मार्शल द्वारा निकालकर गुंडागर्दी का परिचय दिया वह असहनीय है। सरकार ही चाहती है कि वहां माहौल बिगड़े। न तो कोई स्पेशल स्टेटस मिलेगा न कुछ मिलेगा, यह इतिहास बन चुका है।

धारा 370 के लिए प्रस्ताव पास करना देश तोड़ने की मानसिकता : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा है कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के अनेक दल लगातार भारतीय संविधान का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद भी इसको दोबारा वापस लाने के लिए कांग्रेस गठबंधन के द्वारा जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में प्रस्ताव पास करना देश को तोड़ने की मानसिकता दिखाता है। इस अनुच्छेद के निरस्त होने से जम्मू-कश्मीर के दलितों-आदिवासियों को आरक्षण सहित अनेक अधिकार मिले हैं, लेकिन इसे वापस लाने की इंडिया गठबंधन की सोच दलितों-आदिवासियों के विरुद्ध है। इस मुद्दे का महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि इन राज्यों में आदिवासियों की बड़ी संख्या निवास करती है। झारखंड में भाजपा गठबंधन और जेएमएम गठबंधन लगातार आदिवासी समुदाय पर दांव लगाए हुए हैं। स्मृति ईरानी ने गुरुवार को एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि यह प्रस्ताव देश की एकता के विरुद्ध है। इस अनुच्छेद की समाप्ति के बाद जम्मू-कश्मीर में विकास की एक नई धारा बही है। महिलाओं और आदिवासियों के जीवन स्तर में वृद्धि हुई है, लेकिन धारा 370 को वापस लाने की बात करना महिलाओं के भी विरुद्ध है। भाजपा नेत्री का आरोप है कि इस प्रस्ताव में आम जनों को जो अधिकार देने की बात कही है, वे पहले ही जम्मू-कश्मीर में लोगों को दी जा चुकी हैं। इसके बाद भी इस तरह का प्रस्ताव लाना विकास के एजेंडे को भ्रमित करने की कोशिश है। बीजेपी ने विपक्ष के इंडिया गठबंधन के नेताओं को महाराष्ट्र और झारखंड में भी इस मुद्दे को उठाने की चुनौती दी है।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टी20 मैच आज

नईदिल्ली। भारत अपनी टी20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका का सामना करने के लिए तैयार है। यह मैच शुक्रवार, 8 नवंबर को डरबन के किंग्समीड स्टेडियम में खेला जाएगा। सूर्यकुमार यादव भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे, जिसमें अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई और संजू सैमसन जैसे प्रमुख खिलाड़ी शामिल हैं। बांग्लादेश के खिलाफ शतक जड़ने वाले संजू सैमसन ओपनिंग करेंगे। उनके साथ अभिषेक शर्मा भी बल्लेबाजी करेंगे, जो सैमसन के साथ ओपनर के तौर पर खेलेंगे।

तिलक वर्मा को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए देखा जा सकता है, जो अपने कौशल का प्रदर्शन करना चाहते हैं। उनके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे, जो टीम में नेतृत्व और अनुभव लाएंगे। हार्दिक पंड्या की ऑलराउंड क्षमताएं भारत के लिए महत्वपूर्ण होंगी। उनसे बल्ले और गेंद दोनों से महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद है। इस बीच, रिंकू सिंह को इस प्लेइंग इलेवन में फिनिशर के रूप में शामिल किया गया है।

रमनदीप सिंह के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में डेब्यू करने की संभावना है। उनके शामिल होने से टीम में नई ऊर्जा आएगी। अक्षर पटेल आठवें नंबर पर बल्लेबाजी में गहराई प्रदान करेंगे और साथ ही अपनी गेंदबाजी कौशल से भी योगदान देंगे। इस मैच के लिए रवि बिश्नोई की जगह वरुण चक्रवर्ती को मुख्य स्पिनर के तौर पर चुना गया है। उनका चयन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ स्पिन का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की भारत की रणनीति को दर्शाता है। इस टी20 मैच में भारत के तेज गेंदबाजी अटैक की अगुवाई अर्शदीप सिंह करेंगे। उनका साथ देने के लिए आवेश खान होंगे, जो दूसरे तेज गेंदबाज की भूमिका निभाएंगे, जिससे भारत के लिए संतुलित गेंदबाजी लाइनअप सुनिश्चित होगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 836 तो निफ्टी 285 अंक लुढ़का

मुंबई। वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। मुनाफावसूली, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और कंपनियों के दूसरी तिमाही के कमजोर नतीजों के चलते बाजार गिरकर बंद हुआ। हालांकि, तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज उछाल के साथ 80,563.42 अंक पर खुला था। मगर कुछ ही देर बाद यह लाल निशान में फिसल गया। अंत में सेंसेक्स 1.04% या 836.34 अंक की गिरावट लेकर 79,541.79 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 1.16 प्रतिशत या 284.70 अंक की गिरावट के साथ 24,199.35 के लेवल पर क्लोज हुआ। सेंसेक्स की तीस कंपनियों में सिर्फ स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया और टीसीएस के शेयर हरे निशान में रहने में कामयाब रहे जबकि बाकी शेयर गिरावट में बंद हुए।

भारती टेलीकॉम ने इंडियन कॉन्टिनेंट इन्वेस्टमेंट से 1.2 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नईदिल्ली। भारती एयरटेल की प्रवर्तक भारती टेलीकॉम ने भारती परिवार की निवेश कंपनी इंडियन कॉन्टिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड से कंपनी में करीब 1.2 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी सूचना में लेनदेन के मौद्रिक मूल्य का खुलासा नहीं किया गया, हालांकि बीएसई में भारती एयरटेल के शेयर के बंद भाव 1.598.75 रुपये प्रति शेयर के आधार पर हिस्सेदारी का मूल्य 11,680 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। भारती एयरटेल बुधवार देर रात शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, भारती टेलीकॉम ने 'ऑफ-मार्केट' लेनदेन के जरिये इंडिया कॉन्टिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड से भारती एयरटेल के करीब 1.2 प्रतिशत शेयर हासिल कर लिए हैं। इस लेनदेन के बाद भारती टेलीकॉम की भारती एयरटेल में 40.33 प्रतिशत हिस्सेदारी हो जाएगी।

भारत के एफएमसीजी सेक्टर में ग्रामीण मांग से 5.7% की वृद्धि

नईदिल्ली। शहरी तथा ग्रामीण बाजारों में उपभोक्ता मांग में क्रमिक सुधार देखा गया और भारत के अधिकतर क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्र मात्रा वृद्धि के मामले में शहरी क्षेत्रों से आगे निकल रहे हैं। 'डेटा एनालिटिक्स फर्म' नीलसनआईक्यू की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय एफएमसीजी उद्योग में जुलाई-सितंबर तिमाही में 1.5 प्रतिशत कीमत वृद्धि पर 5.7 प्रतिशत मूल्य-आधारित वृद्धि और 4.1 प्रतिशत मात्रा वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया, 2024 की तीसरी तिमाही में शहरी उपभोग वृद्धि 2.8 प्रतिशत रही, जबकि ग्रामीण वृद्धि पिछली तिमाही के 5.2 प्रतिशत से बढ़कर छह प्रतिशत हो गई जो शहरी वृद्धि की तुलना में दो गुना है। छोटी तथा मध्यम एफएमसीजी (दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं बनाने वाली) कंपनियों ने कुछ तिमाहियों में गिरावट का सामना करने के बाद वापसी की है। मूल्य और मात्रा के मामले में बड़ी एफएमसीजी कंपनियों की तुलना में खाद्य क्षेत्र की मदद से उनकी वृद्धि तेज रही।

महिंद्रा का दूसरी तिमाही में मुनाफा 35 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 35 प्रतिशत बढ़कर 3,171 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में शुद्ध लाभ 2,348 करोड़ रुपये था। एमएंडएम लिमिटेड ने बयान में कहा, दूसरी तिमाही में एकीकृत राजस्व 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 37,924 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 34,436 करोड़ रुपये था। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनीश शाह ने कहा, ''हमारे व्यवसायों ने इस तिमाही में ठोस परिचालन प्रदर्शन किया है। मोटर वाहन और कृषि ने बाजार हिस्सेदारी हासिल की और मुनाफे का विस्तार करते हुए बाजार नेतृत्व को मजबूत करना जारी रखा।''

अमेरिका-भारत साझेदारी और मजबूत होने की उम्मीद

आनंद कुमार

ट्रंप की जीत का आर्थिक और भू-राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव होगा, और भारत के लिए यह नतीजा खास अवसरों और चुनौतियों का एक अनोखा सेट पेश करता है, खासकर व्यापार, रक्षा और विदेश नीति के संदर्भ में। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से भारत पर सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव उनकी आर्थिक और व्यापार नीति में देखा जा सकता है। ट्रंप ने 'अमेरिका फर्स्ट' नीतियों को प्राथमिकता दी है, जो घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता कम करने और विदेशी वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाने पर जोर देती है। उनके इरादे चीन से आने वाले आयातों पर शुल्क बढ़ाने के हैं, जो अप्रत्यक्ष रूप से भारत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

अमेरिकी कंपनियां, जो लागत में वृद्धि से बचना चाहती हैं, चीन से अपने संचालन को हटाकर अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित कर सकती हैं, और भारत एक उपयुक्त विकल्प बन सकता है। हालांकि इसमें चुनौतियां भी हैं। ट्रंप की नीतियां भारत पर अपने व्यापारिक अवरोधों को कम करने का दबाव डाल सकती हैं, खासकर आइटी, फार्मास्युटिकल और वस्त्र जैसे क्षेत्रों में। उदाहरण के लिए, भारतीय जेनेरिक दवा निर्यात पर अधिक शुल्क या जांच का सामना करना पड़ सकता है, जो फार्मास्युटिकल क्षेत्र के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसके अलावा, अगर ट्रंप की व्यापारिक नीतियों से अमेरिकी खर्च में कटौती होती है, तो यह भारतीय आइटी और सेवाओं के क्षेत्र को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है जो अमेरिकी ग्राहकों पर काफी निर्भर हैं। हालांकि चीन के साथ प्रतिस्पर्धा में कमी का लाभ भारत को मिल सकता है, लेकिन अमेरिकी आयातों पर

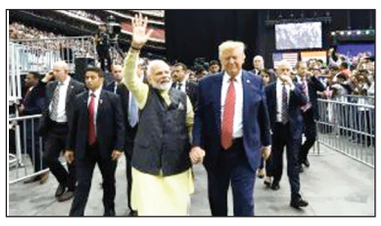

बढ़े हुए शुल्क और आत्मनिर्भरता की संभावित नीति भारतीय निर्यात के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती है।

ट्रंप की जीत का संकेत पारंपरिक ऊर्जा उद्योगों को समर्थन के रूप में देखा जा सकता है, जिसमें तेल, गैस और कोयला क्षेत्र में कम विनियमन शामिल है। यह बाइडेन प्रशासन की नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु पहलों के खिलाफ है, जिनका भारत को भी लाभ मिला था। अगर ट्रंप अपने फॉसिल ईंधनों को प्राथमिकता देते हैं, तो इससे भारत की नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्यों के लिए चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं। हालांकि पारंपरिक ऊर्जा के बड़े आयातकों के रूप में भारत को तेल और गैस की कीमतों में स्थिरता से फायदा हो सकता है, यदि अमेरिका घरेलू ऊर्जा आपूर्ति को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है। ट्रंप की विदेश नीति से उम्मीद की जा सकती है कि यह अमेरिका और भारत के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करेगी, खासकर भारत-प्रशांत में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने में। अपने पिछले कार्यकाल के दौरान उन्होंने क्वाड को मजबूत किया, जो भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देता है। ट्रंप के नये नेतृत्व में भारत को क्वाड ढांचे के भीतर पहल का समर्थन, संयुक्त सैन्य अभ्यास और हथियार बिक्री में सुधार की उम्मीद है, जो भारत की सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ मेल खाता है।

ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मजबूत रक्षा संबंधों का समर्थन करने की घोषणा की है और अमेरिका-भारत साझेदारी की सराहना की है, जो रक्षा सहयोग, मिलिट्री-टू-मिलिट्री एक्सचेंज और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ाने का संकेत देता है। ऐसे सहयोग से भारत की क्षेत्रीय स्थिरता बनाये रखने की क्षमता बढ़ेगी, विशेष रूप से चीन के साथ चल रहे क्षेत्रीय विवादों के मद्देनजर। ट्रंप प्रशासन कठोर आव्रजन नीतियों को पुनर्जीवित कर सकता है, खासकर एच-1बी वीजा पर, जिससे भारतीय पेशेवरों को महत्वपूर्ण चुनौतियां मिल सकती हैं। एच-1बी वीजा प्रोग्राम, जिसका भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों और कुशल पेशेवरों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, भारतीय प्रतिभाओं की अमेरिका में प्रवेश को जटिल बना सकता है। अपने पिछले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने वीजा प्रतिबंध लागू किये थे, जिसने हजारों भारतीय आइटी पेशेवरों और कंपनियों को प्रभावित किया था।

छठ पर्व की धूमः व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, सरगुजा, राजनांदगांव समेत कई जिलों में छठ के तीसरे दिन आज व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया. रायपुर के महादेव घाट समेत सभी जिलों में छठ घाटों पर व्रती महिलाओं ने सूर्य की उपासना कर अर्घ्य दिया. रायपुर के महादेव घाट पर व्रती महिलाओं की भारी भीड़ रही. व्रतियों ने गुड़ की खीर और रोटी बनाकर छठ मैया को भोग लगाया. फिर रोटी-खीर को प्रसाद के रूप में लोगों को बांटा. शुक्रवार की सुबह उगते सूर्य की पूजा और प्रसाद खाकर छठ व्रती महिलाएं 36 घंटे का उपवास पूरा करेंगी. कलाकारों ने गीतों से बांधा समां- छठ पर्व पर महादेव घाट और लक्ष्मण झूले को लाइटों से सजाया गया है, जो आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. वहीं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय लोक गायिका कल्पना पटवारी, अंतरराष्ट्रीय लोक गायिका गायत्री यादव, लोक गायिका परिणीता राव पटनायक, दुकालू यादव समेत अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से समां बांधा.

मानव को प्रकृति से जोड़ने का पर्व है सूर्य आराधना छठ पूजन- मुख्यमंत्री

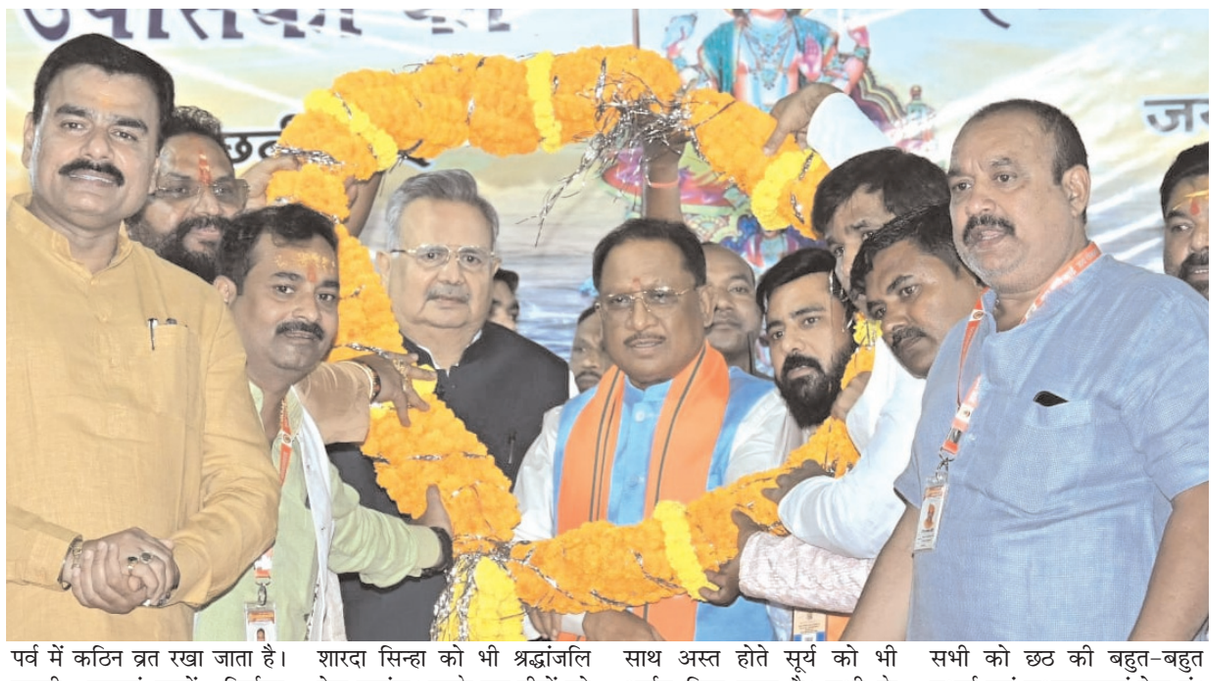

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज शाम यहां राजधानी रायपुर के महादेव घाट पर आयोजित छठ महापर्व कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी और कहा कि सूर्य आराधना छठ पूजन मानव को प्रकृति से जोड़ने का पर्व है। मुख्यमंत्री श्री साय खारुन नदी तट पर छठी मैया की मंगल आरती में भी शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन छठ पर्व आयोजन समिति महादेव घाट द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छठ महापर्व के इस कार्यक्रम में आकर मैं स्वयं को बहुत सौभाग्यशाली अनुभव कर रहा हूँ। इस भव्य आयोजन के लिए मैं आयोजन समिति को बहुत बहुत बधाई देता हूँ। छठ महापर्व की प्रतीक्षा उपासक वर्ष भर करते हैं। इस महापर्व पर दूर-दूर से लोग चाहे कहीं भी रह कर काम कर रहे हों, वे छठ पूजा में शामिल होने पहुंचते हैं। सरकार के द्वारा भी छठ पर विशेष रेल आदि परिवहन की व्यवस्था की जाती है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सूर्य भगवान की उपासना के इस पर्व में कठिन व्रत रखा जाता है। हमारी माताएं-बहनें निर्जला उपवास रखती हैं। छठ महापर्व हमें प्रकृति से भी जोड़ता है। नदी, तालाब आदि जल-स्त्रोत के करीब घाटों पर छठ की पूजा होती है, इस तरह इस पर्व में हम प्रकृति के समीप पहुंचते हैं। छठ पर्व पर हमें नदी और तालाब जैसे हमारे जल-स्त्रोतों के भी संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आज दिवंगत गायिका श्रीमती शारदा सिन्हा को भी श्रद्धांजलि देना चाहूंगा। उनके छठ गीतों को हमारी पूरी पीढ़ी ने सुना है। मैं छठी मैया और सूर्य भगवान से सभी छत्तीसगढ़ वासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूँ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जिन पंचमहाभूतों से हमारे शरीर का निर्माण हुआ है उनकी पूजा इस पर्व में होती है। छठ महापर्व ऐसा पर्व है जिसमें उगते सूर्य के साथ अस्त होते सूर्य को भी अर्घ्य दिया जाता है। सभी के ऊपर छठी माई की कृपा बनी रहे। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पिछले 10-15 सालों से महादेव घाट समिति द्वारा लगातार छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा है। छठ में अस्त होते सूर्य की आराधना हमें जीवन जीने का तरीका सिखाती है। इस पर्व का संदेश है कि जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव से हमें कभी परेशान नहीं होना चाहिए। मैं सभी को छठ की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरन्दर मिश्रा, श्री संपत अग्रवाल, अनुज शर्मा, पूर्व सांसद श्री सुनील सोनी, स्वामी राजीवलोचन जी महाराज, रामप्रताप सिंह, संजय श्रीवास्तव, पंकज शर्मा, छठ समिति महादेव घाट के सदस्यगण व बड़ी संख्या में उपासक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पहुंची श्री गुरुनानक की शोभायात्रा, प्रांत संघचालक ने कहा-

हिंदुत्व के लिए पूज्य श्रीगुरुनानक देव ने जीवन किया समर्पित

रायपुर। सिखों के पहले गुरू पूज्य श्री गुरुनानक के 555 वें प्रकाश पर्व के निमित्त रायपुर में आज भव्य शोभायात्रा निकाली गई. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यालय जागृति मंडल में शोभा यात्रा-प्रभात फेरी का भव्य स्वागत किया गया. यहां मातृशक्ति द्वारा श्रद्धेय श्री गुरुनानक देव जी के जीवन कृतित्व को व्यक्त करने वाले अत्यंत प्रेरक कीर्तन प्रस्तुत किए गए. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने पालकी साहब में पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया. इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रांत संघचालक टोपलाल वर्मा अपने उद्बोधन में कहा कि श्रीगुरुनानक देवजी का संपूर्ण जीवन हिंदुत्व और धर्म की रक्षा में बीता. उन्होंने कहा कि आज संपूर्ण समाज को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र हित में कार्य करने की आवश्यकता है. श्रीगुरुनानक देव भारत मां के सच्चे सुपुत्र व प्रेरणापुंज हैं. इस अवसर पर बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने पालकी साहब में पुष्प अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्रहित में कार्य करने की मंगलकामना की. प्रभात फेरी के अवसर पर नारायण नामदेव ने पीता वारया ते लाल चारो वारे ओ हिंदू तेरी शान.गीत गाया, जिससे लोग राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गए. कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ प्रचारक शांताराम सर्राफ, प्रांत कार्यवाह चंद्रशेखर देवांगन, प्रांत प्रचारक अभय राम वर्मा, सह प्रांत प्रचारक नारायण नामदेव, सह प्रांत प्रचार प्रमुख संजय तिवारी, महानगर संघचालक घनश्याम बिड़ला जी, सज्जन सिंह, जागीर सिंह, कुलविंदर सिंह तथा ज्ञानी सिंह समेत बड़ी संख्या में संघ के कार्यकर्ता व समाजसेवी उपस्थित रहे.

रायपुर दक्षिण उपचुनावः अमर अग्रवाल ने चुनावी अभियान को दी गति

रायपुर। रायपुर दक्षिण उपचुनाव की तैयारियों के तहत भाजपा के वरिष्ठ नेता और सदर मंडल प्रभारी अमर अग्रवाल ने विवेकानंद वार्ड में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ विशेष बैठक की। बैठक में पार्टी की विचारधारा को घर-घर पहुंचाने, चुनावी रणनीतियों पर चर्चा, और मतदाताओं से प्रभावी संवाद स्थापित करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। अमर अग्रवाल ने प्रवासी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में क्षेत्र के हर हिस्से में पार्टी की उपस्थिति को मजबूत बनाने और चुनावी गतिविधियों को गति देने पर जोर दिया।

अमर अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए मतदाताओं को पार्टी के पक्ष में प्रभावी ढंग से आकर्षित करना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को चुनावी मैदान में मजबूती से उतरने के लिए प्रेरित किया और उन प्रभावी तरीकों को अपनाने की सलाह दी जिससे भाजपा का समर्थन व्यापक स्तर पर जुटाया जा सके।

युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ हुई बैठक में अग्रवाल ने युवाओं की भूमिका को सशक्त बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और विचारशीलता इस चुनाव में महत्वपूर्ण साबित होगी। युवाओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने उन्हें पार्टी का मजबूत स्तंभ बनने की अपील की। रायपुर के नेहरू नगर में भाजपा के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करते हुए अमर अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यालय क्षेत्र के नागरिकों से संवाद और उनकी समस्याओं का समाधान करने में सहायक होगा। उन्होंने इसे पार्टी की चुनावी गतिविधियों के संचालन और समन्वय का सशक्त मंच बताया।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में अग्रवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं को रायपुर दक्षिण से पार्टी की जीत के संकल्प को दोहराने के लिए प्रोत्साहित किया। अमर अग्रवाल ने घर-घर जाकर पार्टी के लिए समर्थन जुटाने और मतदान दिवस पर अधिक से अधिक लोगों को भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

प्रमुख समाचार
छत्तीसगढ़/राजधानी

मूक-बधिर से सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों की याचिका खारिज

रायपुर। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में मूक-बधिर से सामूहिक दुष्कर्म के 5 आरोपियों की याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है. हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के निर्णय को सही ठहराते हुए कहा कि अपीलकर्ताओं के अपराध के संबंध में निष्कर्ष पर पहुंचने में ट्रायल कोर्ट ने कोई कानूनी या तथ्यात्मक त्रुटि नहीं की है. बता दें, 25 अगस्त 2019 की शाम करीब 6-7 बजे मरवाही पुलिस स्टेशन के अंतर्गत बाजार में आरोपियों ने मूक-बधिर पीड़िता को जबरन मोटरसाइकिल से तालाब के पास ले जाकर उससे सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था. इस मामले में संजीव कुजूर, सूरज दास समेत पांचों आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 366/34, 342/34 और 376 (डी) के तहत जुर्म दर्ज किया गया. जानकारी के मुताबिक, पीड़िता की चाची ने मरवाही पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराया, कि उसका बड़ा भाई उसके घर के पास रहता है, और उसकी 22 वर्षीय बेटी (पीड़िता), जो जन्म से मूक बधिर है. और इशारों के माध्यम से बातचीत करती है जिसे वह उसकी मां समझती है. पीड़िता हमेशा की तरह 25 अगस्त की शाम खाना (भीख) मांगने बाजार गई थी. देर रात 11 बजे के करीब वह रोती हुई घर लौटी. उसने उसे और अपनी मां को इशारे से बताया कि जब वह शाम बाजार से लौट रही थी, पांच लड़कों ने उसे जबरदस्ती मोटरसाइकिल पर बिठाया, उसे तालाब की सीढ़ियों पर ले गए.

बैज के खिलाफ एफआईआर की खबर गलत और भ्रामक

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि आज सभी समाचार चैनलों में एक समाचार दिखाया गया कि अहमदाबाद साइबर सेल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री दीपक बैज के खिलाफ फर्जी वीडियो एक्स पर शेयर करने के लिये एफआईआर दर्ज किया है। यह खबर पूरी तरह से गलत और भ्रामक है। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज के खिलाफ कहीं भी, कोई भी एफआईआर दर्ज नहीं हुआ है और न ही पीसीसी अध्यक्ष ने गुजरात की स्वास्थ्य व्यवस्था के संबंध में कोई पोस्ट एक्स पर कभी किया था। रायपुर दक्षिण के चुनाव में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज की सक्रियता से घबराई भाजपा के आईटी सेल ने इस फर्जी खबर को प्रचारित कर कांग्रेस अध्यक्ष की छवि खराब करने की कोशिश किया था। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने 31 अक्टूबर को बिलासपुर के जिला अस्पताल का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर पोस्ट किया था जिसमें एक व्यक्ति घायल अवस्था में अस्पताल के फर्श पर तड़प रहा था। डॉक्टर बातचीत में मशगूल थे, उसका इलाज नहीं कर रहे थे यह वीडियो छत्तीसगढ़ के बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था का आईना था। यह घायल व्यक्ति बिलासपुर के दयालबंद निवासी जगमीत सिंह थे। जिनकी उस अवस्था में वीडियो को कांग्रेस के बिलासपुर के पूर्व पार्षद पंचराम सूर्यवंशी ने बनाया था।

दक्षिण में महिलाओं को नहीं मिल रहा महतारी वंदन योजना का लाभ

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सांसद बृजमोहन अग्रवाल बताएं दक्षिण विधानसभा के 80,000 से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ क्यों नहीं मिल रहा है? विधानसभा चुनाव के दौरान बृजमोहन अग्रवाल ने हजारों की तादाद में महिलाओं से महतारी वंदन योजना का फॉर्म भरवाए थे और उनका वोट लिए थे और विधायक बनने के बाद जिन महिलाओं ने फार्म भरा था उनकी सुध नहीं लिये। दक्षिण विधानसभा में 1,37,717 महिला मतदाता है और महतारी वंदन योजना का लाभ मात्र 20 प्रतिशत से कम महिलाओं को मिल रहा है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान सभी महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ देने एवं 500 रु में घर-घर रसोई गैस सिलेंडर देने का वादा किया था। 11 महीने से अधिक समय सरकार बने हो गया है दक्षिण विधानसभा के महिलाओं को न तो 500 रु में रसोई गैस का सिलेंडर मिला है, न ही सभी महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है। भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है भाजपा चुनाव के दौरान जुमला सुनाकर जनता को ठगने का काम करती है.

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी आज राजधानी रायपुर आएंगे

रायपुर। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 08 नवम्बर को शाम 05 बजे राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री गडकरी अपरान्ह 3.45 बजे गोंदिया से विमान द्वारा रवाना होकर शाम 4.15 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर पहुंचेंगे और शाम 5 बजे साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन में शामिल होंगे। श्री गडकरी स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से रात्रि 7.15 बजे नागपुर के लिए रवाना होंगे।

भगवान सहस्त्रबाहु जयंती के अवसर पर विभिन्न खेलों का आयोजन

रायपुर। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी क्षत्रिय वंश के प्रणेता राज राजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु जयंती के अवसर पर दिनांक 08.11.2024 दिन शुक्रवार को रायपुर कॉवेंट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जनता कॉलोनी गुढ़ियारी, न्यू राजेन्द्र नगर, अमलीडीह रोड, शिवानंद नगर एवं सी.बी.एस.ई. मान्यता प्राप्त विद्यालय केंट इंटरनेशनल स्कूल ग्राम झीट में वार्षिक क्रीड़ा उत्सव का आयोजन किया गया हैं। भगवान सहस्त्रबाहु का साम्राज्य पूरे भारत वर्ष में एवं विदेशों में रहा।

कांग्रेस का हाथ सदैव अपराधियों के साथ- भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कांग्रेस को अपराधियों की पार्टी बताते हुए कहा है कि कांग्रेस आज राजनीतिक दल कम, अपराधियों के संगठित गिरोह की शक्ल ज्यादा अख्तियार कर चुकी है। अमूमन हर बड़े अपराधों या आपराधिक षड्यंत्रों में कांग्रेस नेताओं या फिर उनके बेहद करीबियों की संलिप्तता लगातार सामने आ रही है। खुशवंत साहेब ने कहा कि कांग्रेस का यह राजनीतिक चरित्र हो चला है और उसने राजनीति का अपराधीकरण और अपराधियों का कांग्रेसीकरण करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। खुशवंत साहेब ने कहा कि कांग्रेस को अब अपराधियों की पार्टी कहना कतई अतिशयोक्ति नहीं होगा क्योंकि कांग्रेस केवल अपराधियों को संरक्षण देने का काम करती रही है। कांग्रेस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता बड़े-बड़े अपराधों में संलिप्त पाए जा रहे हैं। बलौदाबाजार की हिंसा और आगजनी की घटना में कांग्रेस के विधायक देवेंद्र यादव अभी तक जेल में हैं और उन्हें जमानत भी नहीं मिल पा रही है। सूरजपुर की घटना में एक पुलिसकर्मी की पत्नी एवं बेटी की निर्मम हत्या कांग्रेस के कार्यकर्ता ही करते हैं। खुशवंत साहेब ने कहा कि एनएसयूआई के कार्यकर्ता किसानों को

मुख्यमंत्री साय 12 नवंबर को लॉन्च करेंगे नई औद्योगिक नीति

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नई औद्योगिक नीति 12 नवंबर को लॉन्च करेंगे। नई नीति में औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से कई प्रावधान किए गए हैं। जिसमें देश- विदेश के निवेशकों को भी नई नीति से कई सुविधाएं मिलेंगी।

नई औद्योगिक नीति को लेकर उद्योग मंत्री लखन देवांगन ने कहा कि, पिछड़े क्षेत्रों में उद्योग लगे इसके लिए ज्यादा सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। नई औद्योगिक नीति से विकास के आयाम बढ़ेंगे। औद्योगिक विकास नीति 2024-30 की नियत दिनांक 1 नवंबर, 2024 से प्रारंभ होकर 31 मार्च, 2030 तक प्रभावशील रहेगी। राज्य सरकार को यह अधिकार होगा कि वह औद्योगिक नीति 2024-30 के प्रावधानों की यथा आवश्यकता विकास की समीक्षा कर इस नीति के प्रावधानों को संशोधित / संवर्धित कर सकेगी। राज्य के औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने के लिए राज्य में औद्योगिक नीतियों की परिकल्पना राज्य गठन के उपरान्त से लगातार की जा रही है।

राज्य में अब तक पांच औद्योगिक नीतियां क्रमशः 2001-06 (यह औद्योगिक नीति दिनांक 31 अक्टूबर, 2006 की मूलतः निर्धारित तिथि से पूर्व

दिनांक 31 अक्टूबर, 2004 को समाप्त की गई), 2004-09, 2009-14, 2014-19 तथा 2019-24 लागू की गयी है। उपरोक्त औद्योगिक नीतियों को लागू किये जाने के साथ ही इन नीतियों में तत्कालीन आवश्यकताओं को तथा औद्योगिक विकास के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए नीतियों में यथा आवश्यकता विभिन्न प्रकार के औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन यथा- ब्याज अनुदान, राज्य लागत पूंजी अनुदान (अधोसंरचना लागत पूंजी अनुदान), स्टाम्प शुल्क छूट, विद्युत शुल्क छूट, प्रवेश कर छूट, मूल्य संवर्धित कर प्रतिपूर्ति, मंडी शुल्क छूट, परियोजना लागत पूंजी अनुदान इत्यादि प्रदान की जाती रही है। नीतियों में और अधिक प्रभावी क्रियान्वयन तथा विविधता एवं विशेष क्षेत्र अथवा वर्ग को अधिक प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से नीति में समय-समय पर अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लिए विशेष पैकेज, स्टार्ट-अप पैकेज, लघु एवं कुटीर उद्यम नीति, लाजिस्टिक पार्क नीति इत्यादि का भी समावेश किया गया था। इन नीतियों के अंतर्गत राज्य के युवाओं को वैकल्पिक रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए विशेष रूप से स्व-रोजगार मूलक योजनाओं का भी प्रावधान किया गया है। उपरोक्त पृष्ठभूमि में तथा राज्य की भौगोलिक विशेषताओं, लागू नीतियों तथा वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दिनांक 01 नवम्बर, 2024 से आगामी नीति लागू किया जाना अपेक्षित है।

डिप्टी कलेक्टर जय उरांव को हाईकोर्ट की डबल बेंच से मिली राहत

रायपुर। भू अभिलेख शाखा से रिकार्ड गयाब होने के मामले में डिप्टी कलेक्टर जय उरांव को हाई कोर्ट की डबल बेंच से राहत मिली है. हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के दो महत्वपूर्ण फैसले जिसमें सरकारी जमीन की अफरा-तफरा में हाथ काला करने वाले तब के अतिरिक्त तहसीलदार और वर्तमान में डिप्टी कलेक्टर व एक सरपंच के खिलाफ न्यायालयीन आदेश की अवहेलना के आरोप में नोटिस जारी कर जवाब मांगा था. इन दोनों फैसले पर जस्टिस रजनी दुबे व जस्टिस संजय कुमार जायसवाल की डिवीजन बेंच ने आगामी आदेश तक रोक लगा दी है. डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के फैसले पर त्रुटि पाते हुए यह आदेश जारी किया है. याचिकाकर्ता लक्ष्मी वैष्णव ने सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती देते हुए अपील की है, मामले की सुनवाई के दौरान डिवीजन बेंच को बताया गया, कि सिंगल बेंच ने न्यायालयीन अवमानना का दोषी पाते हुए उसे सरपंच पद से हटाते हुए अमरिका बाई अजगले को ग्राम पंचायत का कार्यवाहक सरपंच नियुक्त करने का निर्देश जारी किया है. ऐसा आदेश या निर्देश न्यायालय की अवमानना अधिनियम के तहत पारित नहीं किया जा सकता है. याचिकाकर्ता को बहुमत से कार्यवाहक सरपंच के रूप में विधिवत चुना गया था और 16.01.2024 से वह बिना किसी चूक के अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रही है. इसलिए 18.09.2024 को सिंगल बेंच द्वारा जारी विवादित आदेश के प्रभाव और संचालन पर अन्य पक्षों को नोटिस दिए जाने तक रोक लगाई जाए.

इधर अमरिका बाई अजगले के अधिवक्ता ने याचिकाकर्ता की प्रार्थना का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता अवमानना मामले में पक्षकार नहीं है और अवमानना मामले में अवमाननाकर्ता ने 23.04.2024 को पारित सिंगल बेंच के आदेश का पालन नहीं किया है.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.